NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 319 लखनऊ, शनिवार 06 जुलाई 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

भाजपा ने 24 राज्यों के लिए नियुक्त किए प्रभारी, जानें किसे मिली कहां की जिम्मेदारी

एजेंसी।

नई दिल्ली लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में यह बड़ी नियुक्ति है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कुछ राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। जम्मू–कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे बड़े राज्यों में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। आगामी चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी के बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कई प्रमुख क्षेत्रों में राज्य प्रभारियों और सह–प्रभारियों की नई नियुक्तियों की घोषणा की। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में यह बड़ी नियुक्ति है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कुछ राज्यों

में विधानसभा के चुनाव होने हैं। जम्मू–कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे बड़े राज्यों में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। प्रमुख नियुक्तियाँ– बिहाररू महासचिव विनोद तावड़े प्रभारी, सांसद दीपक प्रकाश सह प्रभारी।– छत्तीसगढ़रू नितिन नबीन प्रभारी नियुक्त।– गोवारू आशीष सूद को प्रभारी नियुक्त किया गया।– मणिपुररू अजीत गोपचड़े को प्रभारी नियुक्त किया गया।– हरियाणारू सतीश पूनिया को प्रभारी नियुक्त किया गया, सुरेंद्र सिंह नागर को सह–प्रभारी नियुक्त किया गया।– लद्दाख और जम्मू–कश्मीररू तरुण चुघ को प्रभारी नियुक्त किया गया, आशीष सूद सहप्रभारी की देखरेख करेंगे।– झारखंडरू सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी प्रभारी नियुक्त।– हिमाचल प्रदेशरू श्रीकांत शर्मा को प्रभारी नियुक्त किया गया, संजय टंडन को सह–प्रभारी नियुक्त किया गया।– उत्तराखंडरू दुष्यंत कुमार गौतम को प्रभारी नियुक्त किया गया, रेखा वर्मा को सह प्रभारी नियुक्त किया गया।– केरलरू वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर को प्रभारी नियुक्त किया गया, सांसद अपराजिता सारंगी को सह–प्रभारी नियुक्त किया गया।

ग्रेटर नोएडा में 25 हजार रोजगार के सृजन का माध्यम बनेगी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को श्वन ट्रिलियन डॉलरश की इकॉनमी बनाने की दिशा में संकल्पित व प्रयासरत योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा में बन रही इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के वृहद विकास के लिए बड़ा रोडमैप तैयार किया है। सीएम योगी के विजन अनुसार, इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप को 6,807 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश को लक्षित करने के माध्यम के तौर पर विकसित किया जाएगा जिसके जरिए इस क्षेत्र में 25 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा के परी चौक से 11 किलोमीटर की दूरी पर अजायबपुर रेलवे स्टेशन के करीब इस टाउनशिप का विकास किया जा रहा है। यह क्षेत्र नोएडा

मुख्य शहर से भी मात्र 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कुल 747. 50 एकड़ में इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के हो रहे विकास में से 332.52 एकड़ क्षेत्र में इंडस्ट्रियल, 72.86 एकड़ में ग्रुप हाउसिंग व ईडब्ल्यूएस रेजिडेंशियल तथा 38. 15 एकड़ में कमर्शियल लैंड यूज की गतिविधियां संचालित होंगी। वहीं, 300.97 एकड़ एरिया का एरिया विकास सेक्टर व साइट लेआउट प्लान रोड्स, साइकिल ट्रैक, एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग्स व हरित क्षेत्र के तौर पर विकसित किया जा रहा है। मोबाइल कॉम्पोनेंट्स व इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स के हब के तौर पर बन रही पहचान ग्रेटर नोएडा में विकासशील इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप दरअसल, दिल्ली–मुंबई औद्योगिक गलियारे के लिहाज से एक प्रमुख परियोजना है, जिसे विश्व स्तरीय मानकों के साथ डिजाइन किया गया है। नए जमाने की कार्यशैली के अनुसार यहां कार्यक्षमता व सौंदर्य के बीच संतुलन बनाया गया है। वैसे, परियोजना के अंतर्गत इंडस्ट्रियल पॉकेट रीजन में पहले से ही कई बड़े प्लांट्स संचालित हैं। इसके जरिए हजारों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा यह क्षेत्र मोबाइल कॉम्पोनेंट्स व इलेक्टॉनिक आइटम्स के निर्माण क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।

असम में बाढ़ से हाल बेहाल, 21.13 लाख लोग प्रभावित, पीड़ितों से मिलने पहुंचे सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी।

असम। सरमा ने यह भी बताया कि डिब्रूगढ़ क्षेत्र में नालों की सफाई के लिए छोटे उपकरणों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण भी है, जिस पर पानी रुकने के बाद ध्यान दिया जाएगा। सरमा ने पिथुबोर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया, जिसमें 173 व्यक्तियों को रखा गया था, और खोवांग हायर सेकेंडरी स्कूल में, जहां 380 बाढ़ प्रभावित

निवासियों को आश्रय दिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य में बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए शुक्रवार को असम में जलजमाव वाले क्षेत्रों का दौरा किया। 29 जिलों में लगभग 21.13 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और मरने वालों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया और डिब्रूगढ़ में बाढ़ प्रभावित पीड़ितों से बातचीत की। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थिति में सुधार हुआ है, जल स्तर नीचे जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन क्षेत्रों में तटबंध टूटे हैं वे बाढ़ से प्रभावित हैं। सरमा ने यह भी बताया कि डिब्रूगढ़ क्षेत्र में नालों की सफाई के लिए छोटे उपकरणों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण भी है, जिस पर पानी रुकने के बाद ध्यान दिया जाएगा। सरमा ने पिथुबोर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया, जिसमें 173 व्यक्तियों को रखा गया था, और खोवांग हायर सेकेंडरी स्कूल में, जहां 380 बाढ़ प्रभावित निवासियों को आश्रय दिया गया है। उन्होंने उनकी दैनिक आवश्यकताओं की समीक्षा की और जिला प्रशासन को चिकित्सा सुविधाएं, सुरक्षित पेयजल और कपड़े जैसी आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राहत सामग्री वितरित करने के अलावा, बाढ़ पीड़ितों के क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक उपाय तुरंत किए जाएंगे। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में दो बच्चों सहित कम से कम छह लोग डूब गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि बाढ़ से कम से कम 11,20,165 जानवर भी प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने बाढ़ से प्रभावित 3.86 लाख से अधिक लोगों के लिए लगभग 515 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं।

लालू के बयान पर बीजेपी का पलटवार, नित्यानंद राय बोले- देश को पीएम मोदी पर भरोसा, जंगलराज नहीं चाहिए

एजेंसी।

पटना बिहार लालू यादव के बयान पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने पलटवार किया है। राय ने कहा कि पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर देश और बिहार की जनता ने इच्छा जताई है कि पीएम मोदी भारत के सच्चे सपूत हैं और देश को आगे ले जा सकते हैं।राजद अध्यक्ष लालू यादव ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार कमजोर है और एक महीने के भीतर ही गिर सकती है। इस टिप्पणी को भाजपा ने तुरंत खारिज कर दिया। इसे साथ ही भाजपा ने कहा कि बीमार सत्तर वर्षीय व्यक्ति भ्रमपूर्ण हैं और हाल के आम चुनाव मोदी के नेतृत्व में लोगों के विश्वास की पुष्टि थे। प्रसाद ने ये भविष्यवाणी अपनी पार्टी के गठन के 28 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में की, जिसे उन्होंने जनता दल को विभाजित करके स्थापित किया था। लालू यादव के बयान पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने पलटवार किया है। राय ने कहा कि पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर देश और बिहार की जनता ने इच्छा जताई है कि पीएम मोदी भारत के सच्चे सपूत हैं और देश को आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता पीएम मोदी, नीतीश कुमार, एनडीए–बीजेपी पर विश्वास करती है, उन्हें जंगलराज नहीं चाहिए। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने आम बोलचाल की हिंदी वाक्यांश मुंगेरी लाल के हसीन सपने का उपयोग करते हुए राजद

बच्चों को अगवा कर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी।

नई दिल्ली अधिकारी ने बताया कि पेशे से एयरकंडीशनर मिस्त्री श्रीवास्तव ने 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। बच्चों की मां का फोन गाड़ी में छूट गया था, जिस पर फोन करने पर आरोपी ने बच्चों के पिता से फिरौती की रकम मांगी। दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने फिरौती के लिए एक लड़के और उसकी बहन को अगवा करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बच्चों को कार में अकेला पाकर उस वक्त अगवा कर लिया था जब उनके माता–पिता पूर्वी दिल्ली की एक दुकान से मिठाई लेने के लिए उतरे थे। प्रतीक श्रीवास्तव (34) को बृहस्पतिवार शाम को मंडावली से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने 300 से ज्यादा सीसीटीवी की फुटेज खंगालने के बाद आरोपी के ठिकाने का पता लगाया।अधिकारी ने बताया कि श्रीवास्तव इस बात से अवगत था कि बच्चों के माता–पिता गाड़ी की चाबी कार में ही छोड़ गये हैं और वह बच्चों को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहा कि उसे गाड़ी पार्किंग में खड़ी करने को कहा गया है। श्रीवास्ताव 28 जून को छह वर्षीय लड़के और 11 वर्षीय लड़की को अपने साथ ले गया था। गुप्ता ने बताया कि बच्चों के पिता ने पुलिस को घटना की सूचना दी, जिसके बाद 200 पुलिस वाहनों ने खोज अभियान चलाया।उन्होंने बताया कि कार का पता लगा लिया गया और पुलिस के वाहनों ने शहर के भीतर करीब 200 किलोमीटर तक गाड़ी का पीछा किया और श्रीवास्तव कार समयपुर बादली के समीप छोड़कर फरार हो गया।गुप्ता ने बताया कि बच्चों को बचा लिया गया और अपराधी की तलाश शुरू की गयी। उन्होंने बताया कि श्रीवास्तव को मंडावली से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। अधिकारी ने बताया कि पेशे से एयरकंडीशनर मिस्त्री श्रीवास्तव ने 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। बच्चों की मां का फोन गाड़ी में छूट गया था, जिस पर फोन करने पर आरोपी ने बच्चों के पिता से फिरौती की रकम मांगी।

हाथरस हादसे पर एसआईटी ने सीएम योगी को सौंपी जांच रिपोर्ट, 100 से अधिक के बयान दर्ज, पालिटिकल लिंक का भी जिक्र

संवाददाता। लखनऊ सीएम योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी प्रशांत कुमार से हाथरस मामले पर पूरी जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कुछ ऐसे राजनीतिक नेताओं के नाम का जिक्र है जिनके चुनाव में श्भोले बाबाश ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा श्भोले बाबाश के अन्य लिंक्स का भी जिक्र किया गया है।हाथरस भगदड़ की जांच के लिए गठित एसआईटी ने उस त्रासदी पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें इस सप्ताह की शुरुआत में कम से कम 123 लोगों की जान चली गई थी। यह भगदड़ मंगलवार को धार्मिक उपदेशक नारायण साकार हरि, जिन्हें श्भोले बाबाश के नाम से भी जाना जाता है, के श्सत्संगश के दौरान हुई। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर 15 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी को 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। यह एसआईटी रिपोर्ट एडीजी आगरा अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ कमिश्नर चौत्रा वी के तहत तैयार की गई थी। 15 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट में डीएम और एसपी समेत करीब 100 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। एसआईटी के सदस्यों ने भगदड़ का कारण जानने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों, कार्यक्रम से जुड़े लोगों और सेवादारों से बात की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी

प्रशांत कुमार से हाथरस मामले पर पूरी जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कुछ ऐसे राजनीतिक नेताओं के नाम का जिक्र है जिनके चुनाव में श्भोले बाबाश ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा श्भोले बाबाश के अन्य लिंक्स का भी जिक्र किया गया है। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट राजनीतिक साजिश की ओर इशारा करती है। सभा में लोगों की संख्या का अनुमान नहीं लगा पाने को लेकर कुछ स्थानीय नेताओं, सेवादारों, कार्यक्रम के आयोजकों और वहां तैनात अन्य अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। इससे पहले बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाथरस का दौरा किया था. उन्होंने घटना में घायल हुए लोगों और उन लोगों से मुलाकात की जिनके प्रियजनों की जान चली गई। पत्रकारों से बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब सत्संग में हालात बिगड़े तो भोले बाबा के सेवक वहां से भाग गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हाथरस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए थे. इससे पहले एसडीएम की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भोले बाबा के सत्संग में सिर्फ 80 हजार लोगों के शामिल होने की इजाजत मांगी गई थी, लेकिन कार्यक्रम में 2.5 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए. वहीं, पूरे घटनाक्रम को सेवादारों ने संभाला और कथित तौर पर पुलिसकर्मियों को इलाके से हटा दिया गया।

महाराष्ट्र सरकार ने परीक्षा संबंधी गड़बड़ी रोकने के लिए विधेयक पेश किया

एजेंसी।

मुंबई। परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर चिंताओं के बीच, महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में एक विधेयक पेश किया, जिसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार को रोकना है। इस विधेयक में अपराधियों को पांच साल तक जेल की सजा का प्रावधान किया गया है। विधानसभा में मंत्री शंभुराज देसाई ने 'महाराष्ट्र प्रतियोगी परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024' विधेयक पेश किया। विधेयक के तहत, प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन से संबंधित अपराध संज्ञेय, गैर–जमानती और गैर–समझौता योग्य होंगे। विधेयक के अनुसार, प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन में अनुचित साधनों और अपराधों में लिप्त पाए जाने वालों को कम से कम तीन साल के कैद की सजा दी जाएगी, जिसे बढ़ाकर पांच साल किया जा सकता है और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में भारतीय न्याय संहिता 2023 के प्रावधानों के अनुसार कारावास की अतिरिक्त सजा दी जाएगी। विधेयक की मुख्य विशेषताओं में प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में व्यवधान से बचने के लिए प्रावधान करना, प्रश्नपत्र तैयार करने वालों के कर्तव्यों को निर्दिष्ट करना, अपराध की जांच करने के लिए पुलिस उपाधीक्षक या सहायक पुलिस आयुक्त से नीचे के रैंक के अधिकारियों को सशक्त बनाना शामिल है।

संजय सिंह आम आदमी पार्टी के संसदीय दल के अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी।

नई दिल्ली इससे पहले, सिंह अपने पहले कार्यकाल के दौरान राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह फिर से राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किये गए हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को पार्टी के संसदीय दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें राज्यसभा में पार्टी का नेता भी चुना गया है। सिंह ने 'एक्स' पर कहा,

''दिल्ली के मुख्यमंत्री आदरणीय अरविंद केजरीवाल ने हमेशा (मुझे) सड़क से सदन तक आवाज बुलंद करने का अवसर दिया। पार्टी संसदीय दल के अध्यक्ष की जो जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। इसके लिये अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का अत्यंत आभार।'' इससे पहले, सिंह अपने पहले कार्यकाल के दौरान राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह फिर से राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किये गए हैं। इस साल 19 मार्च को सिंह ने संसद के उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली थी। पार्टी ने कहा कि वर्तमान में आप 10 सदस्यों के साथ राज्यसभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है और लोकसभा में इसके तीन सदस्य हैं।

बिहार सरकार ने पुल ध्वस्त होने की घटनाओं पर 14 अभियंता निलंबित किए

एजेंसी।

पटना बिहार जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव चौतन्य प्रसाद ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जांच में अभियंता लापरवाह और निगरानी को

अप्रभावी पाया गया जिसके कारण राज्य में कई छोटे पुल ढह गए। बिहार सरकार ने शुक्रवार को राज्य में पिछले कुछ दिनों में कई पुलों के ध्वस्त होने की घटनाओं के सिलसिले में 14 अभियंताओं को निलंबित कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जांच समिति द्वारा जल संसाधन विभाग को जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव चौतन्य प्रसाद ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जांच में अभियंता लापरवाह और निगरानी को अप्रभावी पाया गया जिसके कारण राज्य में कई छोटे पुल ढह गए। जिन कर्मचारियों पर गाज गिरी है उनमें तीन अधिशासी अभियंता भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 17 दिनों में सीवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में कुल 10 पुल ढह गए।

मुजफ्फरनगर में एक वाहन के खड़े टैंकर से टकरा जाने से दो लोगों की मौत

दिल्ली–देहरादून र पुरकाजी थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सुनील कुमार ने यहां संवाददाताओं को बताया कि मृतकों की पहचान जयप्रकाश (42) और अमन (चार) के रूप में हुई है तथा घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुजफ्फरनगर जिले के

पुरकाजी थाना क्षेत्र में दिल्ली–देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को एक वाहन के खड़े टैंकर से टकरा जाने से एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गयी और 12 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उसने बताया कि आज दिल्ली–देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुरकाजी के निकट एक वाहन के खड़े टैंकर से टकरा जाने से दो लोगों की मौत हो गयी और एक महिला समेत 12 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह वाहन दिल्ली से हरिद्वार जा रहा था। पुरकाजी थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सुनील कुमार ने यहां संवाददाताओं को बताया कि मृतकों की पहचान जयप्रकाश (42) और अमन (चार) के रूप में हुई है तथा घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

100 का आंकड़ा पार, अपोलो हास्पिटल्स लखनऊ ने घुटनों की रोबोटिक ट्रांसप्लांट सर्जरी में सबसे तेजी से हासिल की उपलब्धि

ग्रामीण भारत में भी बढ़ रही है रोबोटिक सर्जरी जैसी उच्च स्तरीय इलाज की स्वीकार्यता और मांग

सर्जरी के बाद बेहतर जीवन गुणवत्ता के लिए ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी खर्च उठाने को तैयार।

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश के प्रमुख हेल्थ सर्विस प्रोवाइडर अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ एक बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हॉस्पिटल ने सबसे तेजी से घुटने के 100 सफल रोबोटिक ट्रांसप्लांट सर्जरी पूरी की हैं। यह सफलता हॉस्पिटल के उस लक्ष्य को दर्शाती है कि वे अपने मरीजों को हड्डियों और जोड़ों के इलाज में नवीनतम तकनीकों का लाभ प्रदान कर रहे हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स उत्तर प्रदेश में (एनसीआर छोड़कर) पहला ऐसा प्राइवेट हॉस्पिटल है, जहां घुटने और जोड़ो की सर्जरी के लिए रोबोटिक सिस्टम के साथ साथ ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, कार्डियक सर्जरी, बैरियाट्रिक सर्जरी, गाइनेकोलॉजिकल सर्जरी, जनरल सर्जरी, थोरासिक सर्जरी और पीडियाट्रिक सर्जरी के लिए अत्याधुनिक दा विंची एक्सआई रोबोट भी उपलब्ध है। डॉ. संजय श्रीवास्तव, चेयरमैन – ऑर्थोपेडिक्स एंड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ष्100 सफल रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी का आंकड़ा पार करना हमारी टीम की विशेषज्ञता और मरीजों को अत्याधुनिक इलाज देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में डॉक्टर की मदद के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाला रोबोटिक आर्म इस्तेमाल किया जाता है. जिससे ऑपरेशन के दौरान अत्याधिक सटीकता हासिल होती है और घुटने के रिप्लेसमेंट को मरीज के शरीर के हिसाब से बेहतर बनाया जा सकता है। यह नई टेक्नोलॉजी कई फायदे देती है, जैसे मरीज जल्दी ठीक हो जाना, दर्द कम होना, और खून का बहना कम होता है, घुटने के नए जोड़ का ज्यादा समय तक टिके रहना और मरीजों को कुल मिलाकर बेहतर नतीजे मिलते हैं। यह पूरी प्रक्रिया मरीजों की भागीदारी को भी बढ़ाती है।ष डॉ. मयंक सोमानी, एमडी एंड सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, लखनऊ कहते हैं, ष्हम इस क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी करने में अग्रणी होने में गर्व महसूस करते हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ लगातार इस क्षेत्र में मरीजों की देखभाल में क्रांति ला रहा है। रोबोटिक सर्जरी की स्वीकृति और मांग लगातार बढ़ रही है। अब मरीज खुद ही रोबोटिक सर्जरी की मांग करते हैं।

डॉ0 राममनोहर लोहिया और चौधरी चरण सिंह की प्राथमिकता में ग्रामीण विकास के साथ किसान और गांव की खेती रही- अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी डॉ0 राममनोहर लोहिया और चौधरी चरण सिंह के सिद्धांत और विचारों तथा नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष और उनके बताए रास्ते पर चलती आ रही है। डॉ0 राममनोहर लोहिया और चौधरी चरण सिंह की प्राथमिकता में ग्रामीण विकास के साथ किसान और गांव की खेती रही है। समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता में हमेशा किसान ही रहे हैं। जब तक किसानों की सरकार नहीं बनेगी तक तब किसानों का भला नहीं हो सकता है।अखिलेश यादव ने आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के प्रतिनिधिमण्डल से मुलाकात के बाद सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में प्रत्येक स्तर पर किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। भाजपा सरकार ने किसानों की फसलों की बिक्री हेतु मंडी नहीं बनायी। किसानों को उनकी फसलों का वाजिब मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं दिया जबकि फसलों के उत्पादन की लागत बढ़ती जा रही है। कीटनाशक दवाओं और खादों के दाम लगातार महंगे हो रहे है। गांवों में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति न होने के कारण धान की रोपाई समय से नहीं हो पा रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने अखिलेश यादव को लोकसभा के चुनाव में भारी जीत और देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने के लिए बधाई दी और कहा कि भविष्य में किसानों को आपसे बहुत आशाएं है। किसान नेताओं ने याद किया कि समाजवादी सरकार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने किसानों के हित में कई योजनाए लागू की थी। समाजवादी पार्टी की सरकार में ग्रामीण विकास और गांव –खेती की उन्नति के लिए बजट का 75 प्रतिशत धनराशि का प्रावधान किया गया था। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोकसभा में समाजवादी पार्टी के सांसद देश के किसानों की आवाज उठायेंगे। आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। किसान यूनियन के प्रतिनिधिमण्डल ने लोकसभा में किसानों के मसले जैसे मुफ्त बिजली, गन्ना, भुगतान, कर्जमाफी, मजबूती से उठाने के लिए अखिलेश यादव जी का धन्यवाद दिया और कहा कि देश का किसान अब उनकी ओर ही देख रहा है। किसान यूनियन के प्रतिनिधिमण्डल में सर्वश्री प्रधान नूरा बालियान मुजफ्फरनगर, चौधरी शाहिद बालियान मण्डल उपाध्यक्ष मुजफ्फरनगर, हसीब अहमद प्रदेश महासचिव मुरादाबाद, जुबैद आलम मंडल सचिव रामपुर, जसवीर सिंह रंधावा जिला उपाध्यक्ष रामपुर, मोहम्मद मुस्तकीम रामपुर, मोहसिन रजा रामपुर तथा जयप्रकाश यादव रामपुर आदि शामिल थे। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी मौजूद रहे।

मैमीपोको पैंट्स ने लखनऊ में `डीप स्लीप वर्ल्ड' अभियान शुरू किया

इसका उद्देश्य शिशुओं के लिए "गहरा अवशोषण, गहरी नींद" के बारे में जागरूकता पैदा करना है

लखनऊ(आरएनएस)। पैंट–स्टाइल डिस्पोजेबल डायपर बनाने वाली अग्रणी कंपनी यूनिचार्म इंडिया ने लखनऊ में अपने अभूतपूर्व 'डीप स्लीप वर्ल्ड' अभियान का अनावरण किया है। इस पहल का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ यूनिचार्म के जुड़ाव को गहरा करना और शिशुओं के लिए गहन अवशोषण और गहरी नींद के महत्व पर प्रकाश डालकर इसकी सामाजिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाना है। यह घोषणा एक उच्चस्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई, जिसमें मार्केटिंग के उपाध्यक्ष श्री तोशीयुकी नाकामुरा, यूनिचार्म इंडिया के क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक श्री तेज प्रताप सिंह और अभिनेत्री सौम्या टंडन भी उपस्थित थे।डीप स्लीप वर्ल्ड का परिचयरू डीप स्लीप वर्ल्ड यूनिचार्म इंडिया द्वारा आयोजित एक अनूठा कार्यक्रम है, जो यह बताने के लिए डिजाइन किया गया है कि मैमीपोको पैंट्स किस प्रकार सुनिश्चित करता है कि बच्चे नमी और रिसाव को रोककर निर्बाध, गहरी नींद का आनंद लें। अभिनव फ्लेक्सी–फिट तकनीक और नारियल–अनुकूल शीट की विशेषता वाले ये डायपर बच्चे की त्वचा को स्वस्थ रखते हैं और रात भर आराम प्रदान करते हैं।मैमीपोको पैंट, एक्स्ट्रा एब्जॉर्ब, 12 घंटे तक का गहरा अवशोषण प्रदान करता है, जिससे काफी हद तक नमी कम होती है और बच्चे गहरी नींद सो पाते हैं, जो उनके समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। एक्स्ट्रा एब्जॉर्ब फीचर जांघों से रिसाव के खिलाफ 2• सुरक्षा भी प्रदान करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बच्चा सूखा और आरामदायक रहे। मुख्य वक्तव्यरू श्री तेज प्रताप सिंह, क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक – उत्तर, यूनिचार्म इंडिया, ने कहा, ष्हम उत्तर प्रदेश में श्डीप एब्जॉर्प्शन, डीप स्लीपश अभियान शुरू करने को लेकर रोमांचित हैं, जिसकी शुरुआत लखनऊ से हो रही है।उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। उत्तर भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यह विविधतापूर्ण और गतिशील है, जो हमारी बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसलिए, यह उचित है कि हम अपना 'गहन अवशोषण, गहन नींद' अभियान सबसे पहले यहीं से शुरू करें। इस पहल का उद्देश्य शिशुओं को सबसे आरामदायक डायपर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अच्छी नींद ले सकें और उनकी त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आठ वर्षों का जश्न, आठ राज्यों का स्वाद, होटल मैरियट में फूड फेस्टिवल की शुरुआत

लखनऊ (आरएनएस)। गोमतीनगर में स्थित होटल फेयरफील्ड बाई मैरियट को आठ वर्ष पूरे हो रहे हैं। होटल फेयरफील्ड मैरियट एक बार फिर इस खास मौके को फूड फेस्ट के माध्यम से रोमांचक बनाने की तैयारियों में है। इस दस दिवसीय कार्यक्रम को 5 जुलाई से 15 जुलाई तक मनाया जाएगा। जिसमें होटल फेयरफील्ड मैरियट ष्एट स्टेट्स इन योर प्लेटष की थीम के साथ अपने मेहमानों का स्वागत करेगा। जैसा कि प्रोग्राम की थीम इस दावत को स्पष्ट करती है कि अदब के शहर लखनऊ में होटल फेयरफील्ड मैरियट इस बार आठ राज्यों का स्वाद अपने मेहमानों की थाली में परोसने वाला है। और इस बार थाली में आने वाले सभी व्यंजनों में शेफ शिराज के हाथों का जादुई स्वाद होगा। मशहूर शेफ शिराज अमीर इंडिया के कई बड़े होटलों में अपने स्वाद से मंत्रमुग्ध करने का अनुभव रखते हैं और विभिन्न व्यंजनों में अपने हाथों की जादुई महक के लिए जाने जाते हैं। । जिसमें पंजाब , दिल्ली के पराठे वाली गाली से व्यंजन उठाया है और मशहूर लाल मिर्च से बने राजस्थानी भोजन के साथ पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मशहूर व्यंजन शामिल हैं। इस जश्न की शुरुआत प्रबंधक सचिन मल्होत्रा द्वारा केक काटकर की गईं । और पूरे दिन मोमेंट के हिसाब से लाइव म्यूजिक का भी आयोजन किया गया है। जिससे शामिल हो रहे मेहमान स्वाद के साथ संगीत का भी लुफ्त उठाएंगे ।इस कार्यक्रम की थीम मेहमानों को खूब आकर्षित करेगी एवं उनके लिए ये यादगार पल साबित होगा।फूड एंड बेवरेज मैनेजर जितेंद्र सिंह का कहना हैं कि मेहमानों के स्वागत में होटल फेयरफील्ड मैरियट आठ राज्यों का भोजन, लाइव म्यूजिक और बफेट का आयोजन कर रहा है। आठ राज्यों के टेस्ट में प्रत्येक राज्य की प्रसिद्द चीजों को थाली में परोसने की तैयारियां है। उत्तर प्रदेश में प्रसिद्द पानी पूरी, आगरा का भल्ला, खस्ता कचोरी, समोसा चाट और वेजष नॉनवेज कबाब काउंटर सजाए गए हैं। तो वहीं महाराष्ट्र के काउंटर पर मेहमान वडा पाव, कच्ची दवेली का लुफ्त उठाएंगे। राजस्थानी भोजन में दाल, प्लेनष मसाला बाटी और चूरमा थाली में परोसा जाएगा। तो वहीं साथ में बिहार का प्रसिद्ध फूड लिट्टी चोखा और झालमुरी बनाया जाएगा। रोल में प्रसिद्ध बंगाल से एग रोल, पनीर रोल, चिकन रोल और बोन के साथ तवा फिश मेहमानों की थाली में होगा। तो वहीं दिलवालों के शहर दिल्ली के प्रसिद्ध आलू भाजी के साथ तीन प्रकार के पराठे और पतीला मटर कुल्चा स्वाद में शामिल है। तो वहीं छोले भटूरे, सरसों का साग, मक्का और बाजरे की रोटी से मेहमानों की जुबान पर पंजाब का स्वाद होगा।फूड एंड बेवरेज मैनेजर जीतेंद्र सिंह का कहना है कि होटल फेयरफील्ड मैरियट मेहमानों के स्वागत के लिए आठ राज्यों के भोजन, लाइव म्यूजिक और बुफे का आयोजन कर रहा है। आठ राज्यों के स्वाद में हर राज्य का मशहूर व्यंजन आपकी थाली में परोसने की तैयारी की जा रही है. महाराष्ट्र के प्रसिद्ध पानी पूरी, आगरा का दही भल्ला, खस्ता कचौरी, समोसा चाट और वेजष्नॉनवेज कबाब के काउंटर पर मेहमान वड़ा पाव, कच्ची डेवेली का आनंद लेंगे। राजस्थानी भोजन में दाल, सादाष्मसाला बाटी और परोसे जाएंगे। चूरमा. तो इसके साथ ही बिहार का मशहूर खाना लिट्टी चोखा और झालमुरी बनाया जाएगा। कोलकाता मेहमानों की थाली में बंगाल का मशहूर एग रोल, पनीर रोल, चिकन रोल और तवा फिश शामिल होंगे. दिलवालों के शहर दिल्ली की मशहूर आलू भाजी के काउंटर पर तीन तरह के परांठे मिलेंगे और स्वाद में पतीला मटर कुलचा भी शामिल है. तो छोला भटूरा के साथ पंजाब का स्वाद मेहमानों की जुबान पर और भी चढ़ जाएगा.

हाथरस में हुई घटना में पीड़ितों के परिजनों से मिलने पहुंच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

' पीड़ित परिवारों को समय से और अधिक से अधिक मुआवजा दे सरकार- राहुल गांधी

' प्रशासन की गलती से हुआ हाथरस हादसा- राहुल गांधी

लखनऊ(आरएनएस)। हाथरस में हुए दर्दनाक हादसे के बाद आज नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से मिलकर सांत्वना प्रकट की तथा घटना की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। श्री गांधी आज ही आज सुबह राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय, तथा प्रदेश अध्यक्ष अजयराय के साथ अलीगढ़ पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज भगदड़ से हुए हृदय विदारक घटना में जनपद अलीगढ़ एवं हाथरस के पीड़ितों परिवारों से मुलाकात की। पीड़ित परिजन जैसे ही श्री गांधी से मिले वह उनके गले से लिपटकर रोने लगे, श्री राहुल गांधी जी ने उनके सिर पर हाथ रखकर सांत्वना दी,गले लगाया और जमीन पर बैठकर पीड़ित परिवार से बातचीत कर उनका दर्द बांटा और घटना की विस्तृत जानकारी ली। पीड़ित परिवारजनों ने बताया साफ कहा कि यह हादसा प्रशासन की लापरवाही से हुआ। पीड़ितों के परिजनों ने हादसे के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की। कहा कि आप सभी मेरा परिवार हैं,आप खुद को अकेला ना समझें। हम इस संकट की घड़ी में आपके साथ हैं।इन कठिन परिस्थितियों में पूरा कांग्रेस परिवार आपके साथ खड़ा है।हम इस मुद्दे को संसद में मजबूती के साथ उठाएंगे। अलीगढ़ और हाथरस में हादसे के पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात करने के बाद श्री राहुल ने कहा पीड़ित परिवार बहुत दुख में हैं। ने कहा कि सरकार की ओर से जो पीड़ितों को मुआवजा देने का एलान किया गया है वह

बहुत कम है उसे बढाकर जल्द से जल्द देना चाहिए। ये सभी गरीब परिवार के लोग हैं, इन्हें मुआवजा जल्द से जल्द मिले, ऐसा ना हो कि छह महीने साल भर लग जाएं,फिर उसका मकसद खत्म हो जाएगा।राहुल गांधी ने कहा कि दुख की बात यह है कि काफी लोगों की मृत्यु हुई है और प्रथम दृष्टया यह प्रशासन की गलती दिख रही है। कार्यक्रम में जिस हिसाब का पुलिस बंदोबस्त होना चाहिए था, वह नहीं था। घटना की सही तरीके से जांच होनी चाहिए। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, नवनिर्वाचित सांसद इमरान मसूद, पूर्व सांसद दानिश अली, पूर्व विधायक प्रदीप माथुर, पूर्व एमएलसी विवेक बंसल, पूर्व विधायक राजकुमार रावत, प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, प्रदेश महासचिव मुकेश धनगर आदि मौजूद रहे।

समझौता ज्ञापन भविष्य में पर्यटकों के लिए प्रभावी योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी–जयवीर सिंह

यूपी टूरिज्म-मेक माय ट्रिप के बीच साझेदारी महत्वपूर्ण कदम, पर्यटकों को मिलेगी और बेहतर सुविधाएं-मुकेश कुमार मेश्राम

लखनऊ(आरएनएस) रू प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के निर्देश पर पर्यटन विभाग और ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी 'मेक माय ट्रिप' के बीच आज पर्यटन भवन में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर सम्पन्न हुआ। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य उ0प्र0 में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ देशी–विदेशी पर्यटकों को उ0प्र0 के अध्यात्मिक तथा धार्मिक पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी देने के साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए बेहतर वातावरण का सृजन करना है।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह अपने संदेश में कहा कि उ0प्र0 अपने में गौरवशाली इतिहास एवं विविधता समेटे हुए है। सैलानियों को उ0प्र0 में जानने के लिए बहुत कुछ है। इस समझौता ज्ञापन से पर्यटकों की रूचि के अनुसार उनको बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने यह भी कहा है कि हमारा राज्य विविध अनुभवों का खजाना है। यह साझेदारी मील का पत्थर साबित होगी। हमें यात्रियों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए प्रभावी योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। मेक माय ट्रिप के प्लेटफार्म और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर हम आगंतुकों का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं।

जयवीर सिंह ने अपने संदेश में यह भी कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने व पर्यटकों के सुविधार्थ पर्यटन विभाग और मेक माय ट्रिप के बीच रणनीतिक साझेदारी हुई। यह प्रयास प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय समुदायों के विकास के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। समझौता ज्ञापन (एमओयू) की शर्तों के तहत यूपी में पर्यटन के क्षेत्र में मेक माय ट्रिप रणनीतिक साझेदार के रूप में सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। यह उपभोक्ता प्रवृत्तियों, पर्यटकों की वरीयताओं, यात्री जनसांख्यिकी तथा आपूर्ति पक्ष को लेकर जानकारी प्रदान करेगा।

इस अवसर पर मौजूद प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने अपने संबोधन में कहा, उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, जिसे बढ़ाने में मेक माय ट्रिप साझीदार होगा। मेक माय ट्रिप के माध्यम से हमें पर्यटकों की रुचि के साथ–साथ उनकी जरूरतों आदि की जानकारी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा, ट्रेवल करने वाले यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान इंटरनेट पर कई जानकारियां सर्च करते हैं। सर्च इंजन बताता है पर्यटक का रुझान इको टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, आध्यात्मिक पर्यटन आदि किस तरफ है। मेक माय ट्रिप ऐसे में मददगार साबित होगा। मेश्राम ने कहा कि पर्यटक अपने गंतव्य तक पहुंचने के बाद आसपास के क्षेत्र में भी घूमते हैं। वहां के स्थानीय उत्पाद खरीदकर उसे बढ़ावा देते हैं। मेक माय ट्रिप ऐसे पर्यटकों को सहायता प्रदान करेगा। कंपनी इन जानकारियों के माध्यम से ऐसे पैकेज बना सकती है, जिससे उत्तर प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, पर्यटक छुट्टियों में घूमना पसंद करते हैं। कुछ नए की तलाश में उन्हें वेलनेस टूरिज्म आकर्षित करेगा। पर्यटन विभाग का मेक माय ट्रिप के साथ एमओयू साइन पर्यटकों के हित में लाभकारी साबित होगा। भविष्य में पर्यटकों के हित में नीतियां बनाने में मदद करेगा। मेक माय ट्रिप के सह–संस्थापक और समूह के सीईओ राजेश मागो ने कहा, श्हम उत्तर प्रदेश पर्यटन के साथ इस रणनीतिक साझेदारी से खुश हैं। हमारा प्रयास यूपी टूरिज्म के साथ सहयोग करना है, ताकि राज्य में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। आने वाले दिनों में हमारे प्लेटफॉर्म के जरिए पर्यटकों को होटलों, होमस्टे की गहन जानकारी और आपूर्ति का लाभ मिल सकेगा।

मुझे विश्वास है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच यह अनूठा सहयोग हमारे साझा उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। इस अवसर पर विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया, निदेशक पर्यटन प्रखार मिश्रा, उपनिदेशक दिनेश कुमार और मेक माय ट्रिप के प्रतिनिधि समीर बजाज की उपस्थिति में एमओयू साइन हुआ।

मंत्री डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ जन अभियान–2024 की तैयारियों की समीक्षा की

पौधा रोपित कर उसकी सुरक्षा और सिंचाई की पूरी व्यवस्था की जाए

लखनऊ(आरएनएस) रू वन एवं वन्य जीव विभाग मुख्यालय स्थित पारिजात सभागार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश, डॉ0 अरुण कुमार सक्सेना ने पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ जन अभियान–2024 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अपने निजी क्षेत्रों के साथ–साथ सड़क, पार्क, खेत की मेड़ आदि पर पौधा रोपित कर उसकी सुरक्षा और सिंचाई की पूरी व्यवस्था की जाए। प्रदेश में वृक्षारोपण अभियान को जन आंदोलन बनाया जाए और हर व्यक्ति अपनी माँ की स्मृति में या माँ के साथ एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाए।

मंत्री जी ने व्यापक सक्रिय जन सहभागिता पर जोर देते हुए कहा कि समस्त सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं, सिविल सोसायटी, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, युवक मंगल दल, महिला मंगल दल, रोटरीध्रोट्रैक्टध्लायंस क्लब, सभी प्रकार के मंडल, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) आदि की सहभागिता के साथ वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जाए।

बैठक में वृक्षारोपण अभियान से संबंधित निजी क्षेत्रों के कार्यकारी अधिकारी, गैर सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी, विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाएं, एनएसएस, स्काउट्स–गाइड, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र, युवक मंगल दल, महिला दल, महिला मंगल दल, रोटरीध्रोट्रैक्टध्लायंस क्लब, सभी व्यापार मंडल, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), आयुर्वेदिक संस्थाएं, नारी उत्थान समितियां, विद्यार्थी परिषद्, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन, मॉर्निंग वॉकर्स क्लब, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आदि के प्रतिनिधियों और संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश शासन, श्री मनोज सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष श्री एस0 के0 शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) श्री संजय श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुश्रवण एवं कार्य योजना) श्री सुनील चौधरी सहित वरिष्ठ वनाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

नगर विकास मंत्री ए के शर्मा का प्रयागराज दौरा महाकुम्भ मेला की तैयारियों का करेंगे स्थलीय निरीक्षण

लखनऊ(आरएनएस) रू उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए०के० शर्मा शनिवार 06 जुलाई को जनपद प्रयागराज पहुंचकर महाकुम्भ मेला–2025 से संबंधित विकास कार्यों की अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा करेंगे और मेला क्षेत्र में हो रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे।

नगर विकास मंत्री ए0के0 शर्मा 06 जुलाई को अपराह्न 02 बजे प्रयागराज के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। इसके बाद अपराह्न 04 बजे से सर्किट हाउस में ही महाकुम्भ मेला से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और संबंधित विभागों को मेला की तैयारियों के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के लिए जरूरी निर्देश भी देंगे। इस बैठक में मंत्री श्री शर्मा संबंधित विभागों के अधिकारियों से महाकुम्भ मेला–2025 को भव्य एवं दिव्य आयोजन को लेकर की जा रही तैयारियों, श्रद्धालुओं की सुविधाओं व सुरक्षा तथा विकास कार्यों की प्रगति के बारे में चर्चा करेंगे। समीक्षा बैठक के बाद, नगर विकास मंत्री शर्मा शाम 05 बजे प्रयागराज महाकुम्भ मेला क्षेत्र पहुंचकर वहां पर कराये जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे तथा मेला क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लेंगे और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देंगे।

राहुल गांधी का पुतला दहन करने से नाराज कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर। भाजपा (आरएनएस) व उनके आनुषंगिक संगठनों द्वारा कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी का पुतला व फोटो जलाए जाने से नाराज कांग्रेसियों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व व शकील अंसारी की मौजूदगी में कई दर्जन कांग्रेस कार्यकर्ता व नेता जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से निकलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने राहुल गांधी जिंदाबाद, प्रियंका गांधी जिंदाबाद, मल्लिकार्जुन खड़गे जिंदाबाद, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद आदि नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना के प्रतिनिधि के रूप में आये एसडीएम दीपक वर्मा को राज्यपाल को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि प्रदेश के जिन स्थानों पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की फोटोध्पुतला जलाया गया है वहां के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भाजपा व उनके अनुषांगिक संगठन के जिन लोगों ने पुतलाध्फोटो जलाने का अपराधिक कृत्य किया है उनके कृत्य की विधिवत जांच कर समुचित विधिक कार्यवाही करने का आदेश दिया जाए। भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन को ताकीद किया जाए। इन्हीं मांगों को लेकर कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा विगत दिनों संसद में हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा के नकली हिन्दुत्व का पर्दाफाश करते हुये भ्रष्टाचार तथा नीट यूजी – 2024 की परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक का मामला उठाकर भाजपा का झूठ बेनकाब किया था जिससे उनके अनुषांगिक संगठन तिलमिला गए हैं और भाजपा कार्यकर्ता हिसा पर उतारू हो गये,और वाराणसी में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के पुश्तैनी घर के सामने पुलिस की मौजूदगी और संरक्षण में हमारे नेता रायबरेली सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की फोटो जलाने की कोशिश की गई थी, और अभी विगत दिनों जनपद सुल्तानपुर में भी इन्हीं के अनुषांगिक संगठनों ने फोटो और पुतला दहन किया था। चूंकि हम कांग्रेसजन हिंसा की गतिविधियों में विश्वास नही रखते, इसलिये हिंसा का जवाब हिंसा से नही दे रहे हैं, लेकिन यह पूरी तरह अलोकतांत्रिक और अनुचित है। वहीं उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस जन भाजपा व उनके अनुषांगिक संगठनों द्वारा किए कृत्यों की घोर निंदा करते हैं, और जिला प्रशासन को यह बता देना चाहते हैं कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो यदि ऐसा हुआ तो कांग्रेस के लोग चुप नही बैठेंगे, आज यदि कांग्रेस के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका होता तो अब तक यही जिला प्रशासन मुकदमा दर्ज करवा देता। वहीं जब भाजपा के संगठन राहुल गांधी का पुतला फूंक रहे हैं तो पुलिस हाथ बांधे खड़ी है। इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिये। वहीं उन्होंने जिला प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ऐसे कृत्यों पर रोक नहीं लगी तो हम कांग्रेस जन जिले के सभी ब्लॉक व तहसीलों पर भाजपा के नेताओं का पुतला दहन करेंगे। इस मौके पर लाल पद्माकर सिंह, शहर अध्यक्ष शकील अंसारी, सुब्रत सिंह सनी, विनय त्रिपाठी, पवन मिश्र कटांवा, अंबरीश पाठक जिगर, विवेक श्रीवास्तव,ममनून आलम, अवधेश गौतम, नंदलाल मोर्य, अरुण कुमार त्रिपाठी, महेंद्र प्रताप सिंह, ओपी द्विवेदी, प्रेम भारती, अतहर नवाब, रणजीत सिंह सलूजा, मानस तिवारी, प्रेम शुक्ला, शीतल साहू आदि लोग शामिल रहे।

वही नाराज कांग्रेसियों के प्रदर्शन की भनक लगते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया। जिलाधिकारी कार्यालय के मुख्य गेट के पास सीओ सिटी शिवम मिश्रा व कोतवाल एके दिवेदी अग्निशमन वाहन व भारी पुलिस बल के साथ कलेक्ट्रेट गेट के सामने बेरिकेटिंग कर दिया, जिससे आक्रोशित कांग्रेसियों को किसी भी प्रकार की हिंसक घटनाओं से रोका जा सके।

लस्सी पिलाकर लूटी गई टाटा मैजिक बिजनौर पुलिस ने किया बरामद

सुल्तानपुर(आरएनएस)। बिजनौर जिले की धामपुर थाने की पुलिस ने टाटा मैजिक लूटकांड का मामला खोल दिया है।यह वही केस है जिसे पूर्व कोतवाल श्री राम पांडेय पीड़ित का मुकदमा दर्ज करने के बजाय थाने से भगा दिया था।बिजनौर पुलिस ने पीपरपुर के अभियुक्त को भी पकड़ा है।

दरअसल मालूम हो कि सुल्तानपुर के गाड़ी मालिक श्याम बहादुर ने आरोप लगाया था कि टाटा मैजिक (डाला) गाड़ी को 29 जून को मलिहाबाद से आम लाने के बहाने ड्राइवर को नशीली लस्सी पिलाकर लूट लिया गया था।तहरीर के बावजूद पीड़ित का मुकदमा कई दिन बाद 4 जुलाई को दर्ज किया।

इधर बिजनौर जिले की थाना धामपुर पुलिस ने बताया कि शातिर चोर को चोरी के सामान व घटना में प्रयुक्त गाडी सहित गिरफ्तार कर माल बरामद किया है।पुलिस ने बताया कि बीते तीन जुलाई को थाना धामपुर पुलिस पकड़े गए वाहन चालक से पूछताछ की गई तो इसने अपना नाम सत्यम तिवारी पुत्र अनिल तिवारी निवासी सुल्तानपुर बताया। वाहन से चोरी के सोलर पैनल के बैटरे, इन्वर्टर, गैस सिलेण्डर, एक डीवीआर, कम्प्यूटर व चोरी के उपकरण जो स्थानीय अलावलपुर के इलेक्ट्रानिक गोदाम से चोरी हुआ था, बरामद किया गया।का सामान भी बरामद किया गया।

भव्य रथ पर यात्रा करेंगे भगवान जगन्नाथ ,इस्कॉन करेगा 07 जुलाई को रथ यात्रा का भव्य आयोजन

इस्कॉन, लखनऊ सम्पूर्ण विश्व में जिस प्रकार से श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया जाता है उसी के क्रम मे श्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ द्वारा 07 जुलाई 2024 रविवार को भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीयुत बृजेश पाठक जी, उपमुख्यमंत्री, उवप्रव सरकार को आमंत्रित किया गया है सप्रेस वार्ता मे श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी, मन्दिर अध्यक्ष, इस्कॉन, लखनऊ के साथ–2 श्रीमान भोक्ता राम प्रभु जी (उपाध्यक्ष), श्रीमान मधुस्मिता प्रभु जी(उपाध्यक्ष) एवं श्रीमान दीनदयाल प्रभुजी (उपाध्यक्ष), श्री आनंद स्वरुप अग्रवाल जी, (अध्यक्ष मन्दिर निर्माण समिति), श्री लाल बहादुर जी, (वॉइस चेयरमैन फेस्टिवल कमेटी) एवं जगन्नाथ जी की रथ यात्रा संचालन मे विशेष सहयोग करने वाले श्री रवि मालिक प्रभु जी उपस्थिति रहेश्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी, मन्दिर अध्यक्ष मीडिया के माध्यम से सभी लखनऊ वासियों से अनुरोध करते है कि भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का स्वागत आप सब अपने घरों पर पुष्प वर्षा एवं आरती करके करें। रथ यात्रा से पहले रविंद्रालय हाल मे हरिनाम संकीर्तन अपरान्ह 02रू00 बजे ,प्रवचन एवं कथा– श्रीमान देवकी नंदन प्रभुजी, जोनल सेकरेट्री, इस्कॉन, उवप्रव, राजस्थान एवं बिहार द्वारा अपरान्ह 02रू30 बजे ,आरती एवं रथ यात्रा अपरान्ह 04रू00 बजे रविंद्रालय चारबाग से प्रारम्भ होकर बासमंडी चौराहा से हीवेट रोड पर चलकर दाहिने कैंट चौराहा (बर्लिंगटन) से बांये नावेल्टी सिनेमा होते हुए हलवासिया तिराहे से दाहिने हजरातगंज चौराहा होकर वापस चौराहे मुड़कर हलवासिया होते हुए जहांगीराबाद पैलेस लॉन में समाप्त होगी ।

श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का मुख्य आकर्षण श्रीमती अचिंत्यरुपिणी माता जी के दिशा निर्देशन मे मुकुंदा रॉक बैंड की प्रस्तुति , हाथी, ऊँट, घोड़ा एवं विशेष साज–सज्जा से बनाये गए रथो पर भगवान जगन्नाथ जी, सुभद्रा महारानी, बलदेव महाराज एवं राम दरबार से यात्रा का विहंगम स्वरुप होगा , सम्पूर्ण रथ यात्रा मार्ग में भगवान एवं भक्तों पर पुष्प वर्षा होगी तथा सभी भक्तो का स्वागत चन्दन लगाकर, गुलाबजल एवं इत्र छिड़क कर किया जायेगा ,रंगोलियों के माध्यम से रथ यात्रा मार्ग की सजावट होगी और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस्कॉन गर्ल्स फोरम की नृत्य प्रस्तुति एवं भगवान के विभिन्न स्वरुप मे भक्तों द्वारा दर्शन जैसे नारद मुनि, हनुमान जी आदि के दर्शन होंगे। रथ यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर भक्तों द्वारा भगवान की आरती एवं जलपान वितरण किया जायेगा तथा छप्पन भोग के अंतर्गत 256 प्रकार का भोग श्री जगन्नाथ जी को अर्पित किया जायेगा।

मिल्कीपुर विधान सभा उपचुनाव को लेकर बैठक करते धर्मपाल सिंह

अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर विधानसभा के उपचुनाव को लेकर भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने मिल्कीपुर के सभी मंडलों शक्ति केन्द्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। कुमारगंज व अमानीगंज मंडल की बैठक चंद्रबली सिंह इंटर कालेज, हैरिंग्टनगंज व कुचेरा मंडल की बैठक तनवी मैरिज लॉन में सम्पन्न हुई। उपचुनाव की व्यूह रचना को लेकर बैठक में मंथन किया गया। बैठक में प्रदेश महामंत्री संगठन ने कहा कि मंडल तथा शक्ति केन्द्र के पदाधिकारी बूथ समिति व पन्ना प्रमुखों की समीक्षा कर लें। बूथ समिति तथा पन्ना प्रमुखों में यदि कोई कार्यकर्ता किन्ही कारणों निष्क्रिय है तो उसके स्थान पर किसी नए कार्यकर्ता को दायित्व दें। बूथ विजय को लेकर स्वंय अपनी कार्ययोजना बनाएं। अगली बैठक में पूर्ण कार्ययोजना के साथ उपस्थित हों। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि जिस प्रकार चुनाव में विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाया गया। उसे दूर करने के लिए हर घर–हर मतदाता से सम्पर्क कर सत्य से अवगत कराना है। क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र ने कहा कि मंडल व शक्ति केन्द्र के पदाधिकारी बूथ पदाधिकारी व पन्ना प्रमुख के साथ बैठक कर अपने क्षेत्र के बूथों की स्थितियों के बारे में जान लें। कमजोर बूथों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि विपक्ष संविधान को लेकर लोगों में भ्रम फैलाया, गुमराह किया। विपक्ष के इस झूठ का पर्दाफाश कार्यकताओं को करना है कांग्रेस ने 25 जून 1975 को आपातकाल लागू कर लोगों के संवैधानिक अधिकारों को समाप्त किया था। इस दौरान कांग्रेस द्वारा किए गए अत्याचारों से जनता को अवगत कराना है। बैठकों में जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, राधेश्याम त्यागी, अशोक कसौंधन अखण्ड प्रताप सिंह डिम्पल, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, सर्वजीत सिंह, अजय तिवारी, बंशीधर शर्मा, अर्जून सिंह, अवधेश पाठक देवेन्द्र सिंह सहित मंडल अध्यक्ष व शक्ति केन्द्रों के प्रभारी मौजूद थे।

आपाकाल के समय के कार्यक्रमो को लेकर बैठक करते भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव

अयोध्या(आरएनएस)। भाजपा आपातकाल के समय कांग्रेस द्वारा जनता पर किए गए अत्याचारों से जनता को अवगत कराएगी। इसके लिए तहसील स्तर पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। सहादतगंज पार्टी कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की योजना–रचना के बारे में मंथन किया गया। 6 जुलाई को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती समारोह मनाया जाएगा। एक वृक्ष मॉ के नाम तथा विधान सभा स्तर पर प्रबुद्ध मतदाताओं को सम्मानित किया जाएगा।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि चुनाव के दौरान कांग्रेस ने जिस प्रकार संविधान को लेकर भ्रम फैलाया कांग्रेस ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू कर लोगों के संवैधानिक अधिकारों को समाप्त कर दिया था। विपक्षी नेताओं को बिना अपराध जेलों में बंद कर दिया। उस दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए अत्याचारों से जनता को अवगत कराया जाएगा। जिसके लिए तहसील स्तर पर संगोष्ठी की जाएगी। 8 जुलाई को पूरा बाजार में संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। 6 जुलाई को डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती समारोह में पार्टी कार्यालय सहादतगंज में संगोष्ठी तथा 11 जुलाई को प्रबुद्ध मतदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। एक वृक्ष मा के नाम अभियान के तहत बूथ स्तर पर पौधरोपण कर कार्यकताओं द्वारा संरक्षण व संर्वधन की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में प्रमुख रूप से डा राकेश मणि त्रिपाठी, तिलकराम मौर्या, अरविंद सिंह, शैलेन्द्र कोरी, प्रतीक श्रीवास्तव, रामकुमार सिंह राजू, बालकृष्ण वैश्य, शशि प्रताप सिंह, अनुराग त्रिपाठी, वरूण चौधरी, लक्षमण वर्मा, मुकेश तिवारी, अवनीश द्विवेदी, स्वपनिल श्रीवास्तव, वीरेन्द्र वर्मा, राजेश पाठक सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इन्टरलाकिंग हेतु उखाड़े गए खड़ंजे से ग्रामीण परेशान

बल्दीराय सुलतानपुर(आरएनएस)। विकास खन्ड बल्दीराय अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिंघनी में ग्राम प्रधान द्वारा इन्टरलाकिंग के लिए उखाड़े गए खड़न्जे से ग्रामीण परेशान है। ग्रामपंचायत के ग्राम कोदईनिया निवासी सुनील तिवारी अमित कुमार रामचन्दर बब्बन शोभित राम सहित कई ग्रामीणो ने बताया कि ग्रामप्रधान विकास ने सुनील तिवारी के मकान से दुर्गा मंदिर तक लगभग डेढ सौ मीटर में इन्टरलांकिंग निर्माण के लिए खडन्जे को उखाड दिया किन्तु तीन माह बाद भी निर्माण शुरू नहीं कराया गया। ग्रामीणो ने बताया कि गांव से निकलने के लिए मात्र एक ही रास्ता है बरसात में निर्माणाधीन रास्ते में कीचड़ हो गया है जिससे आवागमन बाधित हो गया है। ग्रामीणो ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी से करते हुए तत्काल इन्टरलाकिंग निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

अयोध्या कजरी महोत्सव के आयोजन हेतु कमेटी का हुआ गठन

अयोध्या(आरएनएस)। सागर कला भवन में आगामी अयोध्या कजरी महोत्सव आयोजित करने के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 7 अगस्त हरयाली तीज 2024 को आयोजित होने वाले कजरी महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए कमेटी का गठन किया गया कमेटी के गठन की जिम्मेदारी जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता, कवि एवं लेखक अम्बरीध चन्द्र पाण्डेय और प्रख्यात कलाविद एस बी सागर प्रजापति ने निभाई। मीटिंग में सर्वसम्मति से अवध के मशहूर लोग गायक बृजमोहन तिवारी को कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया गया । इसी क्रम में निदेशक पद पर अम्बरीष चंद्र पाण्डेय तथा महासचिव पद पर एसबी सागर प्रजापति एवं लोक गायक विवेक पाण्डेय को चुना गया । प्रबंधक पद पर अंकित उपाध्याय, उपाध्यक्ष पद पर कवि अनुजेंद्र तिवारी, पंकज पाण्डेय, दुर्गेश पांडे दुर्लभ, कोषाध्यक्ष पद पर रीता तिवारी, उपनिदेशक पद पर अंशिका सिंह, सचिव पद पर कुलदीप तिवारी एवं शालिनी राजपाल तथा अन्य कार्यक्रम प्रभारी पद पर राज देहाती , बालगोपाल पाण्डेय आदि को चुना गया । बैठक में ये भी निश्चित हुआ कि इस बार कजरी महोत्सव में सावन पेंटिंग प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, काव्य फुहार, अयोध्या तीज रानी प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में कजरी गायन की विभिन्न लोक विधाओं के गायन, वादन और नृत्य का आयोजन होगा जिसमें देश के तमाम नामचीन कजरी गायक और कलाकार भाग लेंगे। संपूर्ण कार्यक्रम मुख्य संरक्षक अयोध्या महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी एवं मुख्य संयोजक पंडित सत्यप्रकाश मिश्र , महंत बृजमोहन दास, महंत रामदास के संयोजन में संपन्न होगा । संयोजक मंडल में प्रमुख रूप से ई . रवि तिवारी, अंजनी कुमार पाण्डेय , डा अनुपम पांडेय , डा शेषधर पांडेय, तक्षशिला एकादमी के निदेशक संतोष मिश्रा , पार्षद सुलतान अंसारी, चंद्रप्रकाश तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी आदि शामिल है।

अविवि के वोकेशनल व पीजी डिप्लोमा की सेमेस्टर परीक्षा 12 से

अयोध्या(आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में संचालित स्नातक एवं परास्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 से शुरू होकर 19 जुलाई तक चलेगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक होगी। वहीं द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02 बजे से सायं 05 बजे तक चलेगी। परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में संचालित स्नातक, वोकेशनल स्नातक, परास्नातक, पीजी डिप्लोमा की सम सेमेस्टर की परीक्षा दो पालियों में 12 से शुरू हो रही है, जो 19 जुलाई तक चलेगी। कुलपति के निर्देश पर परीक्षा के सफल संचालन के लिए केन्द्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान कर दिया गया है।

गणित प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्र गोल्ड टॉपर

लखनऊ, 5 जुलाई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज द्वितीय कैम्पस के कक्षा–5 के छात्र आर्यन प्रकाश जौहर ने इण्टरनेशनल एबेकस कम्पटीशन में गोल्ड टॉपर का खिताब अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन के तत्वावधान में आयोजित ब्रेनोब्रेनफेस्ट–2024 के अन्तर्गत आयोजित की गई। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस मेधावी छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रतियोगिता में कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने एबेकस के माध्यम से विभिन्न ट्रिक्स अपनाकर गणित के सवालों के जवाब निकाले एवं अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर गोल्ड टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया। आयोजकों ने आर्यन की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें सामाजिक गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों के लिए विशेष रूप से प्रेरित करता है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा की छाप छोड़कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं।

जमीनी विवाद को लेकर जमकर चली लाठियां -आधा दर्जन लोग घायल, एक गम्भीर

गोसाईगंज–अयोध्या (आरएनएस)। गोसाईगंज कोतवाली इलाके के रेवरी गांव में गुरुवार की देर शाम दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर जमकर लाठियां चली।जिसमे आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक रेवरी गांव निवासी अमर बहादुर सिंह व अंकुश सिंह के बीच पुराने जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो ही रही थी कि अमर बहादुर सिंह के पक्ष के लोगों ने अंकुश सिंह पर लाठी, डंडों एंव लोहे की राड से हमला बोल दिया। बचाव में जब उनका परिवार आया तो परिवार के लोगो को भी मारपीट कर घायल कर दिया। जिसमे अंकुश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जबकि सरिता सिंह, लवकुश सिंह, निखिल सिंह, फूलमती सिंह को भी चोटें आई हैं।घायल अंकुश सिंह की पत्नी शालू सिंह की तहरीर पर अमर बहादुर सिंह, समर बहादुर सिंह, संजय सिंह, राजप्रताप सिंह, अजय सिंह, शिवम सिंह, सुनील सिंह, विकास सिंह, अभय सिंह, प्रज्ञा सिंह सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु आमंत्रित किए गए अनूप व ;चा

अयोध्या(आरएनएस) । बेसिक शिक्षा विभाग के दो कर्मठ अध्यापक अनूप मल्होत्रा एवं ऋचा उपाध्याय राज्य स्तर पर आयोजित आईसीटी प्रतियोगिता हेतु आमंत्रित किए गए हैं । राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ पवन सचान ने प्रदेश के सभी जिलों से चयनित शिक्षकों को सूची जारी कर दिनांक 9 से 12 जुलाई के मध्य आमंत्रित किया है। जनपद अयोध्या के श्री मल्होत्रा एवं श्रीमती उपाध्याय के चयन होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की है । उक्त दोनों शिक्षक दिनांक 11 जुलाई को लखनऊ में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने विद्यालयों में डिजिटल साधनों से मिली गुणवत्ता प्राप्ति एवं अधिगम विकास पर अपना प्रस्तुतिकरण राज्य स्तर पर गठित ज्यूरी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। श्री मल्होत्रा हैरिंगटनगंज विकासखण्ड के पी एम श्री कंपोजिट विद्यालय पाराताजपुर में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत हैं, वही श्रीमती उपाध्याय अमानीगंज विकासखंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय बवां में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत है। दोनों शिक्षकों के चयन होने पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य एवं अन्य प्रवक्ता गण खंड शिक्षा अधिकारी, स्काउट गाइड पदाधिकारी एवं शिक्षक संगठन के पदाधिकारीयों ने शुभकामनाएं व्यक्त की है।

अवध विवि से डा. अभिनव मिश्र ने शोध कार्य पूरा किया

अयोध्या(आरएनएस)। शहर के फतेहगंज खीरगली निवासी वरिष्ठ पत्रकार उग्रसेन मिश्र के पुत्र डॉ. अभिनव मिश्र ने पीएचडी की उपाधि पूरी कर ली है। डॉ. मिश्र ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व के तहत 'बौद्ध धर्म के शैक्षणिक एवं नैतिक मूल्यों का महत्व' विषय पर शोध पूरा किया है। डॉ. मिश्र ने शोध कार्य विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह के मार्गदर्शन और प्रो. राजेश सिंह के निर्देशन में पूरा किया है। इस उपलब्धि पर जिला जज राकेश कुमार यादव, प्रो रजवंत राव, पूर्व सांसद डॉ. निर्मल खत्री, पूर्व मंत्री तेज नारायण पाण्डेय पवन, वरिष्ठ पत्रकार हरिकृष्ण अरोड़ा, वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार खत्री,राजेंद्र प्रताप सिंह, पत्रकार राममूर्ति यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य करुणाकर पांडे, अधिवक्ता पवन तिवारी,डॉ सुरेंद्र प्रताप यादव, तुषार श्रीवास्तव, अंबुज सिंह (शाखा प्रबंधक एचडीएफसी बैंक), श्रीकांत मिश्र, आलोक शर्मा, शिवांश कीर्ति शेखर पांडेय, अतुल मिश्र, अनूप मिश्रा व अन्य ने बधाई दी है।

लोकायुक्त में की गई भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच करने मेडिकल कालेज पहुंचे हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष

अयोध्या(आरएनएस)। लोकायुक्त में अयोध्या मेडिकल कॉलेज को लेकर की गई शिकायत की जांच के लिए बनाई गई हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष राम भरत त्रिपाठी गुरुवार को मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के दो वरिष्ठ अफसरों के साथ गोपनीय बैठक की। वार्डों का निरीक्षण किया। इसके बाद रामलला का दर्शन कर लखनऊ लौट गए।लोकायुक्त में लगभग तीन माह पहले सिद्धार्थनगर के रहने वाले सतीश चंद्र ने राजर्षि दशरथ राज्य चिकित्सालय के प्रधानाचार्य के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत की थी।

संपादकीय

अधिकांश की प्रस्तुति सेक्सिस्ट

टीवी व प्रिंट मीडिया में इन दिनों आते कुछ विज्ञापनों को छोड़ दें तो अधिकांश की प्रस्तुति सेक्सिस्ट नजर आती है जिनमें औरत अधिकाधिक बेध्य नजर आती है।

इसे समझने के लिए हम कुछ उदाहरण देखेंरू एक खास ब्रांड की इलायची बेचनी होती है, वहां भी केसर फेंकने के लिए सुंदरी जरूरी होती है जो नाचती–गाती दिखती है। इसी तरह एक टूथपेस्ट बेचने के लिए एक हीरो नाचता हुआ आता है, और फिर कई लड़कों के साथ एक हीरोइन भी उसके साथ डांस करने लगती है, और वो ब्रांडेड टूथपेस्ट दिखने लगता है।

लेकिन इन दिनों कुछ विज्ञापन बहुत ही आगे निकल गए दिखते हैं जैसे एक ब्रांड श्कंडोम्च्य का विज्ञापन जिसमें लड़का लड़की के साथ दर्शकों से कहता है कि अपने पार्टनर से बात करके कंडोम तय करो..। यह विज्ञापन उस कंडोम विज्ञापन से बहुत आगे का है जो बरसों पहले एक अंग्रेजी पत्रिका में छपा था जिसमें नग्न हीरो–हीरोइन के नग्न शरीरों पर अजगर लिपटा हुआ दिखता था। तब उसे लेकर मीडिया में बड़ा हल्ला हुआ था। लेकिन अब कंडोम के विज्ञापन किसी को नहीं हिलाते। उनको तक नहीं जो अपने को श्स्त्रीत्ववादीच्य कहते हैं और स्त्री की देह को किसी श्उपभोग्य वस्तुच्य की तरह दिखाने पर ऐतराज किया करते थे। कारण यह है कि इन दिनों बाजार की अतियों के खिलाफ कोई बंदा बोलता नहीं दिखता। आज का बाजार सेक्स संचालित्च बाजार है। वस्तुओं के साथ हमको श्सेक्सिस्स्ट्च नजरिया भी बेचा जाता है। यह अपने श्फ्री मारकेट्च की श्सेक्सिस्स्ट कल्चरच्य की जीत है। बहुत कम विज्ञापन होते हैं जिनमें कोई सुंदर स्त्री या हीरोइन नहीं होती। इसका कारण श्मारकेटिंग की रणनीत्चि है जो मान कर चलती है कि स्त्री अगर श्सेल्स वूमनच्य हो तो चीज अच्छी बिकती है क्योंकि चीजों को खरीदने वाले अधिकतर मर्द ही होते हैं। अब हम कुछ नये ब्रांडेड कच्छा बनियानों की मारकेटिंग के उदाहरण देखेंरू एक फिल्मी हीरो की शूटिंग का टाइम हो चुका है। सेट लगा है। वह लेट हो रहा है लेकिन वो येन केन दौड़ता–भागता किसी तरह सेट तक पहुंचता है तो वहां मौजूद लेडी बुदबुदाती है कि वो तो कभी लेट नहीं होता तो वो कहता है कि मैं हमेशा टाइम से पहुंचता हूं। अंत में लेडी कहने लगती हैरू श्फिट है बॉस्च्य! यह श्फिट है बॉस्च्य यूं तो बनियान के लिए कहा जाता है लेकिन श्फिट्च के मानी सिर्फ इतने नहीं दिखते। इसके भी श्डबल मानीच्य हैं। ऐसा ही एक विज्ञापन कुछ पहले आया करता था जो इस तरह से खुलता था रू हीरो को कोई बताता है कि डालर का भाव चढ़ रहा है तो वह दौड़ लगाकर एक खास ब्रांड के बक्से को छीन लेता है। उसकी इस फिटनेस पर लेडी मुग्ध हो जाती है..। ऐसे विज्ञापनों में सामान के साथ मर्द की बॉडी पर मरती औरत भी बेची जाती है। यह एक प्रकार का श्निर्लज्ज सेक्सिज्म्च्य है। ऐसे ही श्गरम इनर्स्च का वो विज्ञापन याद आता है, जो इस तरह खुलता है रू किसी बर्फानी हिल स्टेशन पर एक मां अपनी लड़की के साथ दिखती है, जो ठंड से ठिठुर रही है। वहां एक लड़का आता है जो अपने गरम इनर्स को उतार कर लड़की को देता है, तो वह कहती है, हां, अब ये ठंड कट जाएगी..। इसके श्डबल मानीच्य साफ हैं। लड़की जिस मुद्रा में यह सब कहती है उसमें उसकी आंखों में वासना सी नजर आती है और लड़का तक उसके इशारे समझता है..। इसी तरह एक कच्छे का विज्ञापन आता है जिसमें लड़की लड़के को देखती है। लड़का अलमारी के ऊपर रखे कुछ सामान को उतारता है। इसी प्रक्रिया में उसके कच्छे का ब्रांड लड़की को दिखने लगता है, जिसे देख लड़की की आंखों में एक लस्ट, एक श्वासनाच्य सी दिखती है। इसी तरह जब लड़का अपनी बाहें ऊंची करता है, तो उसके कच्छे का खास ब्रांड दिखने लगता है, और लड़की उसके कच्छे के ब्रांड को देख खुश हो जाती है और लड़के का ध्यान खींचने के लिए जोर से नारा लगाती है। लड़की को अपने कच्छे का ब्रांड देखते देख लड़का झेंपता दिखता है। कच्छा बनियान बेचने के क्या यही तरीके बचे हैं और क्या यही भाषा बची है कि लड़की किसी लड़के के कच्छे को ही देखे और उसके ब्रांड को देख खुश होती दिखे? ऐसे सेक्सिस्स्ट विज्ञापनों के बीच इन दिनों खास ब्रांड के ट्रक का वो विज्ञापन दिखता है जिसमें लड़की ड्राइवर बन ट्रक को चलाती दिखती है। यह अकेला विज्ञापन है, जिसमें औरत को उपभोग्य पदार्थ की तरह नहीं दिखाया जाता, बल्कि नये श्प्रोफेशनल कर्मीच्य की तरह दिखाया गया है। यह बताता है कि औरत को श्सेक्सिस्स्ट्च रूप में दिखाए बिना भी स्त्री को श्एम्पावर्च्य करने वाले अच्छे विज्ञापन बनाए जा सकते हैं।

सड़क और फुटपाथ हर रोज चकाचक क्यों नहीं

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री या कोई वीआईपी आता है, तो सड़कों और फुटपाथ को चकाचक कर दिया जाता है। यदि एक दिन यह हो सकता है, तो सभी लोगों के लिए हर रोज क्यों नहीं हो सकता। आखिरकार, नागरिक टैक्स देते हैं, और साफ–सुथरे और सुरक्षित फुटपाथ पर चलना उनका भी मौलिक अधिकार है।बता दें कि जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस कमल खता की खंडपीठ ने कहा कि सुरक्षित और स्वच्छ फुटपाथ मुहैया कराना राज्य प्राधिकरण का दायित्व है। राज्य सरकार के केवल यह सोचने से काम नहीं चलने वाला कि शहर में फुटपाथ घेरने वाले अनिधकृत फेरीवालों की समस्या का समाधान कैसे निकाला जाए। उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट ने शहर में अनिधकृत रेहड़ी–पटरी वालों की समस्या पर पिछले वर्ष स्वतरू संज्ञान लिया था। पीठ ने कहा कि उसे पता है कि समस्या बड़ी है, लेकिन राज्य और नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। हम अपने बच्चों को फुटपाथ पर चलने को कहते हैं, लेकिन चलने को फुटपाथ ही नहीं होंगे तो हम उनसे क्या कहेंगे? इस बीच आम–आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर, मूल अधिकार से क्या अभिप्राय है?दरअसल, मूल अधिकार ऐसे अधिकारों का समूह है जो किसी भी नागरिक के भौतिक (सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक) और नैतिक विकास के लिए आवश्यक हैं। मौलिक अधिकार किसी भी देश के संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को दी गई आवश्यक स्वतंत्रता और अधिकारों के एक समूह को भी संदध्भत करते हैं। ये अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता की आधारशिला को भी निर्मित करते हैं तथा नागरिकों की राज्यों के मनमाने कार्यों एवं नियमों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। बुनियादी मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रताओं को सुनिश्चित करते हैं। एक राष्ट्र के भीतर लोकतंत्र, न्याय और समानता को बनाए रखने के लिए ये अधिकार संविधान के अभिन्न अंग हैं। इन अधिकारों को मौलिक अधिकार माना जाता है, क्योंकि ये व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास, गरिमा और कल्याण के लिए आवश्यक हैं। इनके असंख्य महत्त्व के कारण ही उन्हें भारत का मैग्ना कार्टा भी कहा गया है। ये अधिकार संविधान द्वारा गारंटीकृत और संरक्षित हैं, जो देश के मूलभूत शासन को संदध्भत करते हैं।दरअसल, हकीकत यह है कि शहरी भारत में पैदल चलने के लिए वर्तमान में कई बाधाओं और रुकावटों से गुजरना पड़ता है, जिसके कारण अक्सर किसी की सुरक्षा को जोखिम में डालना पड़ता है। यहां तक कि कभी–कभी किसी की जान भी जोखिम में पड़ जाती है।

गांवों से पलायन एवं बढ़ते शहरीकरण के खतरे

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं।भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनाने एवं नया भारत–विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे–जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे–वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुर्बानी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचौन और विस्थापित भीड़ ही होगी। कुछ समय पूर्व स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण उत्पन्न करने में गाँवों की तुलना में शहरों की भूमिका अधिक है, तो क्या यह कहा जा सकता है कि विकास और प्रदूषण का एक–दूसरे के साथ सकारात्मक संबंध है? बेहतर रोजगार, आधुनिक जनसुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य की लालसा में अपने पुश्तैनी घर–बार छोड़कर शहर की चकाचौंध की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या लगभग 350 हो गई है जबकि 1971 में ऐसे शहर मात्र 151 थे। यही हाल दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का है। इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुत सारे लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों या एक से दो कमरें के मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाओं के बावजूद सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र पर खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। शहरों में रहना दूभर ही होता जा रहा है। असल में देखें तो संकट वायु प्रदूषण का हो या जंगल का, स्वच्छ वायु का हो या फिर स्वच्छ जल का, सभी के मूल में विकास की वह अवधारणा है जिससे शहर रूपी सुरसा सतत विस्तार कर रही है और उसकी चपेट में आ रही है प्रकृति और उसकी नैसर्गिकता। जिसके कारण मनुष्य की सांसें उलझती जा रही है, जीवन पर संकट मंडरा रहा है। अगर हमें पूरी समस्या से लड़ना है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित महानगरों के स्तर पर और साथ ही पूरे देश के स्तर पर अपनी कई आदतों को बदलना होगा, विकास के तथाकथित मॉडल पर गंभीर चिन्तन करना होगा। वायु प्रदूषण का कारण पराली

एवं सड़क पर दौड़ते निजी वाहनों में खोजने की बजाय हमें महानगरों के अनियोजित शहरीकरण में खोजना होगा। पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि शहर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषतः समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है। देश के सभी बड़े शहरों और महानगरों में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। प्रत्येक शहर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं। हर के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए और दफ्तर चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हर्जाना संभव नहीं है और यही वायु प्रदूषण का बड़ा कारण है। शहरीकरण यानी रफ्तार और रफ्तार का मतलब है वाहन और वाहन है कि विदेशी मुद्रा भंडार से खरीदे गए ईंधन को पी रहे हैं और बदले में दे रहे हैं दूषित वायु। शहर को ज्यादा बिजली चाहिए यानी ज्यादा कोयला जलेगा, ज्यादा परमाणु संयंत्र लगेंगे। शहर का मतलब है औद्योगिकीकरण और अनियोजित कारखानों की स्थापना, जिसका परिणाम है कि हमारी लगभग सभी नदियां अब जहरीली हो चुकी है। महानगरों की बढ़ती आबादी को सिर छुपाने को मकान चाहिए, जिसके लिये हरीतिमा क्षेत्रों को हम कंक्रीट के जंगल में तब्दील करते जा रहे हैं। नदी थी खेती के लिए, मछली के लिए, दैनिक कार्यों के लिए, न कि उसमें गंदगी बहाने के लिए। गांवों के कस्बें, कस्बों के शहर और शहरों के महानगर में बदलने की होड़, एक ऐसी मृग मरीचिका में लगी है, जिसकी असलियत कुछ देर से खुलती है लेकिन जब खुलती है तब तक लोगों की सांस लेना दुभर हो चुका होता है, जीवन पर संकट के बादल मंडराने लगते हैं। दरअसल स्वतन्त्र भारत के विकास के लिए हमने जिन नक्शे कदमों पर चलना शुरू किया उसके तहत बड़े–बड़े शहर पूंजी केन्द्रित होते चले गये और रोजगार के स्रोत भी

बिहार भाजपा में जड़ें कमजोर हुई तो

प्रेमकुमार मणि

बिहार भाजपा में इन दिनों भीतर–भीतर आग सुलग रही है। कारण कुछ बाह्य हैं, कुछ आंतरिक। केंद्र में भाजपा की सरकार तो बन गई है, लेकिन इस बार 2014 और 2019 जैसी सफलता नहीं मिली है। जब शीर्ष कमजोर होता है तो निचले स्तर पर जनतंत्र की कोपलें स्वतरू उभरने लगती हैं। यही कारण है कि नेताओं की दबी हुई भावनाएं भी अभिव्यक्त होने लगी हैं। पिछले दिनों भाजपा नेता अिनी चौबे ने पार्टी मामलों पर टिप्पणी करके स्थिर जल में लहरें पैदा कर दी है। नतीजों के कारण यूं भी कुछ बेचौनी है।

2020 के विधानसभा चुनाव में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ कर भी नीतीश की पार्टी भाजपा के मुकाबले बहुत पीछे रह गई थी। इस बार वह एक सीट कम लड़ कर भी बराबरी पर है। केंद्रीय स्तर पर भी जो लोक सभा के नतीजे आए हैं उसमें नीतीश अधिक प्रासंगिक और शक्तिमान हो गए हैं। अब चूंकि नीतीश की राजनीति बिहार केंद्रित है इसलिए स्वाभाविक है उनका प्रभाव बिहार पर पहले से अधिक होगा। बिहार भाजपा की परेशानी इन सब से ही बढ़ी है। जब नीतीश ने राजद के साथ 2022 में राजनीतिक समझौत किया था तब भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने बहुत सोच समझ कर सम्राट चौधरी को बिहार भाजपा का अध्यक्ष बनाया था। ऐसा इसलिए किया गया था कि सम्राट एक साथ नीतीश और तेजस्वी को राजनीतिक चुनौती दे सकेंगे। उस समय ऐसा लग रहा था कि जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल की समन्वित राजनीति का नेतृत्व जल्दी ही तेजस्वी करने वाले हैं। नीतीश कुमार इस तरह के संकेत भी दे रहे थे।

ऐसे में भाजपा को तेजस्वी को जवाब देने लायक एक युवा नेतृत्व विकसित करना था। सम्राट चौधरी को आगे कर पार्टी ने यही किया था। सम्राट इस निकष पर खरे भी उतरे थे। उनकी लोकप्रियता बढ़ रही थी। बिहार–जहां राजनीति में जाति एक बड़ा फैक्टर होता है–के धरातल

पर पिछड़े वर्ग के बड़े हिस्से को आकर्षित करने और सामान्य वगरे के लिए अनुकूल बने रहने की छवि उनकी बन रही थी। भाजपा का जो आधार वोट है उस में उनकी स्वीकृति भी पुख्ता हो रही थी। इसी बीच जनवरी 2024 के आखिर में नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ हो लिये और पुराने सारे गणित गड्डमड्ड हो गए। यह लोक सभा चुनाव के ठीक पहले हुआ था।

चुनाव में पिछली बार की तरह सफलता नहीं मिली, जबकि एक छोड़ 39 सीटों पर एनडीए को कामयाबी मिली थी, लेकिन इस चुनाव को 2019 के निकष पर देखना सही नहीं होगा। इस चुनाव में लालू प्रसाद ने जाति कार्ड खूब खेला। अपनी पार्टी और गठबंधन से सम्राट चौधरी के जनाधार क्षेत्र में सेंध लगाने की हरसंभव कोशिश की। इसके उलट सम्राट अपनी ही बिरादरी के किसी व्यक्ति को अपनी पार्टी का टिकट नहीं दिला सके। ऐसे में हवा यह बनी थी कि सम्राट चौधरी को लालू प्रसाद ने अपनी राजनीतिक चाल से ध्वस्त कर दिया है। उनकी पार्टी में भी इसी तरह की बात जोर बांधने लगी कि सम्राट की कोई राजनीतिक उपयोगिता नहीं सिद्ध हुई, लेकिन इन तमाम बातों के बीच सम्राट चुपचाप अपने काम में लगे रहे। उनके साथ दो चुनौती थी। पहली तो तेजस्वी यादव का राजनीतिक मुकाबला करना और दूसरा नीतीश जैसे कद्दावर नेता के साथ एकता बनाए रखना। इन दोनों स्तरों पर वह सफल रहे।

सम्राट ने अपना संतुलन बनाए रखा। तेजस्वी के बाद सबसे अधिक चुनावी सभाएं उन्होंने की। अपने गृहक्षेत्र में लोजपा के एक ऐसे उम्मीदवार को जिताने में वह सफल हुए जिनका जाति के हिसाब से कोई वोट बैंक नहीं था। पूरे बिहार में अपने प्रभाव के वोट को ट्रांसफर कराने में वह लगभग सफल हुए। हां, सोन इलाके के शाहाबाद और मगध के कुछ चुनाव क्षेत्रों में उनकी नहीं चली। यहां महागठबंधन के विजयी नौ में से सात उम्मीदवार जीते हैं। यदि सम्राट ने अपना प्रभाव न दिखलाया होता तो बिहार एनडीए की स्थिति बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसी हो जाती। बिहार का सामाजिक–राजनीतिक मन–मिजाज उत्तर प्रदेश से मिलता–जुलता है।

यदि बिहार में उत्तर प्रदेश जैसी स्थिति हो जाती, तो क्या होता? एनडीए को दस–बारह सीटें कम आती और इंडिया गठबंधन को उतनी ही अधिक। फिर तो केवल तेदेपा के हाथ में सरकार बनाने की कुंजी होती। सम्राट ने इस स्थिति से भाजपा को बाहर रख कर उसकी साख बचा ली। यह उनकी उल्लेखनीय सफलता है, लेकिन आने वाले समय में बिहार भाजपा के सामने बड़ी चुनौती आगामी विधान सभा चुनाव है, जो अगले वर्ष होने वाला है। इसके समय पूर्व होने की भी चर्चा है। राजद, कांग्रेस और वाम का गठबंधन से मुकाबला और एनडीए के भीतर नीतीश से ताल–मेल रखना निश्चित ही राजनीतिक कौशल का काम होगा, जिसे भाजपा नेतृत्व को करना होगा। जब नीतीश की जुगलबंदी राजद के साथ थी तब वहां नीतीश अधिक सहज थे। क्योंकि तेजस्वी ने चाचा–भतीजा की स्थिति बनाई हुई थी।

सम्राट ऐसा नहीं कर सकते। क्योंकि यह उनके स्वभाव में ही नहीं है। ऐसे में नीतीश कुमार से उनकी कितनी और किस स्तर पर पटरी बैठती है, यह समय बताएगा। यह भी है कि नीतीश और सम्राट का सामाजिक आधार एक ही है। दोनों के साथ होने के असर को लालू प्रसाद चाह कर भी बहुत कमजोर नहीं कर सकते, लेकिन सम्राट की मुश्किलें भाजपा के भीतर से उभर सकती हैं। उनकी अयोग्यता यह है कि वह संघ से जुड़े कभी नहीं रहे हैं। उनका राजनीतिक प्रशिक्षण समाजवादी घराने में हुआ है। निश्चित तौर पर वह इस मामले में नीतीश और लालू से जूनियर हैं, लेकिन जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है उनका सामना तेजस्वी से होना है और इस नजरिये से वह उपयुक्त दिखते हैं।

इस बीच उन्होंने कुछ अनुभव भी हासिल किया है और स्वीकार्यता भी, लेकिन भाजपा के संघी नेता कुपित हैं कि पार्टी में बाहरी लोगों का महत्त्व अधिक होता जा रहा है। वहां हिन्दू होना ही जरूरी नहीं है, संघी होना भी जरूरी है।

अब हिन्दू में भी बाहरी–भीतरी का यह संघर्ष छिड़ा तो सम्राट के लिए मुश्किलें बढ़ेंगी और ये मुश्किलें अंततरू भाजपा की होंगी। उत्तर प्रदेश की तरह यदि बिहार में भाजपा की जड़ें कमजोर हुई तो केंद्र में उसका बने रहना मुश्किल होगा। बिहार की राजनीति इसलिए न केवल भाजपा के लिए बल्कि देश के लिए भी आने वाले समय में महत्त्वपूर्ण बनी रहेगी।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज जिन कार्यों में रुकवाटे आ रही थी आज वह समाप्त हो जाएगी। आज स्वभाव में नेगेटिविटी लाने की बजाय अपने काम पर ध्यान देने की जरूरत है।

वृष राशि–आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अगर कोई कोर्ट संबंधी मामला रुका हुआ है तो आज आपको समाधान मिल सकता है। आज ऑफिस में बॉस को इम्प्रेस करने के लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

मिथुन राशि–आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके कठिन परिश्रम का अच्छा फल आपको मिलेगा इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। कर्क राशि–आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने लिए लक्ष्य तय करते समय वर्तमान स्थिति पर जरूर ध्यान दें। ऑफिस में सीनियर्स अधूरे कार्यों को जल्दी पूरा करने के लिए कहेंगे। बेहतर होगा कि अपना काम समय से पूरा कर लें। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहने वाला है। आज घर पर किसी धार्मिक आयोजन का अनुष्ठान करवा सकते है। जिससे लोगों का आना जाना लगा रहेगा।

सिंह राशि–आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े बच्चों को अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में ऑफिस के कलीग्स के साथ बाहर जा सकते हैं। व्यापार के मामलों में आज आपको पॉजिटिव सोच रखने की आवश्यकता है।

कन्या राशि–आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे। घर में खुशी का महौल बना रहेगा। इस राशि के एग्रोकेमिकल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। डॉक्टर्स के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। पूराना रूका हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। जिससे आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा

तुला राशि–आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के टेक्सटाइल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा ऑर्डर मिलेगा। कुछ विरोधी आपके बारे मे अफवाहें फैलाने के लिए तैयार बैठे हैं... ऐसा कोई मौका ही न दें।

वृश्चिक राशि–आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी

भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालें मन शांत रहेगा।

धनु राशि–आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप कई तरह की गतिविधियों में दिन बिताएंगे इसके साथ ही कठिन से कठिन काम को पूरे निश्चय के साथ पूरे कर लेंगे। विदेश जाने के लिए प्रयास कर रहे लोगों के लिए आज कोई खुशखबरी इंतजार कर रही है।

मकर राशि–आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी विशेष निर्णय लेने से पहले उससे सम्बंधित सभी पहलुओं पर उचित सोंच–विचार करेंगे। आज बिजनेस में सभी गतिविधियों पर ध्यान रखें। आज कोई नया एग्रीमेंट हो सकता है। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

कुंभ राशि–आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा जिससे आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यो में मन लगाने से शांती मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा।

मीन राशि–आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। महिलाएं अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती हैं। आज परिवार में स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। आर्किटेक्चर से जुड़े लोगों को अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है।

थके हुए राष्ट्रपति बाइडेन, ज्यादा नींद की जरूरत, कहा– रात 8 बजे के बाद काम नहीं कर पाऊंगा

पिछले महीने की राष्ट्रपति पद की बहस में उनके लड़खड़ाते प्रदर्शन की आलोचकों ने कड़ी आलोचना की। डिबेट के दौरान जो बाइडेन अपनी बात बोलते–बोलते नींद में आ गये थे और उनकी आवाज लड़खड़ाने लगी। अमेरिकी राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जो बाइडेन ने स्वीकार किया है कि उम्र के लिहाज से उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता और उन्हें पर्याप्त नींद व आराम की जरूरत है। जो बाइडेन ने डेमोक्रेटिक गवर्नरों की एक सभा में कहा कि उन्हें अधिक नींद लेने और कम घंटे काम करने की जरूरत है। वो जल्दी थक जा रहे हैं। इसके साथ ही बाइडेन ने कहा कि रात 8 बजे के बाद वो कोई काम नहीं करना चाहते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यह बात एक बैठक के दौरान कही गई। इस बैठक का उद्देश्य दो दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण समर्थकों को उनकी भूमिका के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता और रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ जोरदार अभियान में शामिल होने की तत्परता के बारे में आश्वस्त करना था।पिछले महीने की राष्ट्रपति पद की बहस में उनके लड़खड़ाते प्रदर्शन की आलोचकों ने कड़ी आलोचना की। डिबेट के दौरान जो बाइडेन अपनी बात बोलते–बोलते नींद में आ गये थे और उनकी आवाज लड़खड़ाने लगी। इन चिंताओं के बावजूद, बाइडेन ने गवर्नरों के साथ अपनी बैठक के दौरान कहा कि राष्ट्रपति पद की दौड़ में बने रहने के लिए दृढ़ हैं। सूत्रों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि बाइडेन ने अपने हालिया प्रदर्शन के मुद्दों के लिए अपनी व्यापक अंतरराष्ट्रीय यात्राओं को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इसकी एक बड़ी वजह यह है कि वे कुछ दिन पहले ही यूरोप के कई देशों की यात्रा से लौटे थे और काफी थके थे। इसलिए डिबेट के लिए पूरी तरह से मानसिक रूप से तैयार नहीं थे। बैठक के दौरान, बाइडेन ने अपने स्वास्थ्य के बारे में मजाक उड़ाते हुए कहा कि मैं ठीक हूँ – हालाँकि, मैं अपने मस्तिष्क के बारे में नहीं जानता। उनके अभियान अध्यक्ष, जेन ओश्मैली डिलन ने बाद में स्पष्ट किया कि वह मजाक कर रहे थे। बाइडेन द्वारा अपना अभियान जारी रखने के बारे में कुछ गवर्नरों की निजी चिंताओं के बावजूद, किसी ने भी सीधे तौर पर यह सुझाव नहीं दिया कि उन्हें दौड़ से बाहर हो जाना चाहिए। हालाँकि, एक अन्य अवसर पर बाइडेन ने कथित तौर पर सहयोगियों के सामने स्वीकार किया है कि वह जानते हैं कि अगर वह बहस के बाद मतदाताओं के सामने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो वह दूसरे कार्यकाल के लिए अपनी उम्मीदवारी नहीं बचा पाएंगे।

पेजेशकियान, जलीली ने डाला वोट, मतदान के बाद आगे क्या ?

मतदाताओं को कट्टरपंथी पूर्व परमाणु वार्ताकार सईद जलीली और हार्ट सर्जन और लंबे समय से संसद सदस्य मसूद पेजेशकियान के बीच चुनना है। पेजेशकियान, ईरानियों ने शुक्रवार को दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की जगह लेने के लिए चल रहे चुनाव में मतदान करना शुरू कर दिया। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खमैनी के संभावित उत्तराधिकारी को चुनने के रास्ते में मुकाबला एक सुधारवादी और एक कट्टरपंथी पूर्व वार्ताकार के बीच हो रहा है। मतदाताओं को कट्टरपंथी पूर्व परमाणु वार्ताकार सईद जलीली और हार्ट सर्जन और लंबे समय से संसद सदस्य मसूद पेजेशकियान के बीच चुनना है। पेजेशकियान, जलीली ने भी अपना–अपना वोट डाला। अटॉर्नी जनरल ने शुरुआती परिणाम साझा करने के खिलाफ दी चेतावनी ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी–आजाद ने गुरुवार देर रात एक संक्षिप्त बयान में कहा कि राजनीतिक हस्तियों और मीडिया आउटलेट्स को परिणामों पर आधारहीन और गैर–दस्तावेज समयपूर्व घोषणाओं से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंतरिक मंत्रालय द्वारा परिणामों की घोषणा और गार्जियन काउंसिल द्वारा पुष्टि किए जाने से पहले, कोई भी मीडिया कदम जो जनता की राय को परेशान करेगा और किसी उम्मीदवार की शुरुआती जीत का सुझाव देगा, उस पर कानूनी मुकदमा चलाया जाएगा। चुनाव के बाद क्या होगा? ईरान एक राष्ट्रपति की नियुक्ति करेगा। लेकिन इससे देश की नीतियों में बदलाव की संभावना नहीं है क्योंकि सभी महत्वपूर्ण राज्य मामलों को सर्वोच्च नेता द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालाँकि, राष्ट्रपति देश की नीतियों को पश्चिम के साथ टकराव या बातचीत की ओर मोड़ सकते हैं और घरेलू और विदेश नीति की दिशा तय कर सकते हैं। खामेनेई ने अपने आवास से चुनाव का पहला वोट डाला, जिसमें टेलीविजन कैमरों और फोटोग्राफरों ने उन्हें मतपेटी में मतपत्र डालते हुए दिखाया। खामनेई ने कहा कि मैंने सुना है कि लोगों का उत्साह पहले से कहीं ज्यादा है। खुदा की इच्छा से लोग मतदान करते हैं और सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार को चुनते हैं। 18 वर्ष से अधिक आयु के 61 मिलियन से अधिक ईरानी मतदान करने के पात्र हैं, जिनमें से लगभग 18 मिलियन 18 से 30 वर्ष के बीच हैं। चुनाव शाम 6 बजे (स्थानीय समय) समाप्त होने वाले हैं, लेकिन भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक रूप से इसे आधी रात तक बढ़ा दिया जाता है। जैसा कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से होता आया है, महिलाओं और आमूल–चूल परिवर्तन का आह्वान करने वालों को मतदान से रोक दिया गया है, जबकि मतदान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मॉनिटरों की कोई निगरानी नहीं होगी।

आस्ट्रिया की जमीन पर 41 सालों बाद भारतीय पीएम का कदम, जानें कब से शुरू होगा प्रधानमंत्री मोदी का दौरा

ऑस्ट्रिया के चांसलर के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 9–10 जुलाई को ऑस्ट्रिया का दौरा करेंगे। यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। भारत से ऑस्ट्रिया की आखिरी प्रधानमंत्री यात्रा 40 साल से अधिक पहले हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी रूस यात्रा के बारे में विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री 8–9 जुलाई को 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूसी संघ के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर मास्को की आधिकारिक यात्रा करेंगे। अभी तक, प्रधानमंत्री का 8 जुलाई की दोपहर को मास्को पहुंचने का कार्यक्रम है। राष्ट्रपति पुतिन आगमन के दिन प्रधानमंत्री के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। अगले दिन, प्रधानमंत्री की बातचीत में रूस में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत शामिल होगी। कार्यक्रम के तत्वों के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री क्रेमलिन में अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे और उसके बाद प्रधानमंत्री मास्को में प्रदर्शनी स्थल का दौरा करेंगे। इन मुलाकातों के बाद दोनों नेताओं के बीच एक प्रतिबंधित स्तर की बातचीत होगी, जिसके बादप्रधानमंत्री और रूसी राष्ट्रपति के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। ऑस्ट्रिया के चांसलर के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 9–10 जुलाई को ऑस्ट्रिया का दौरा करेंगे। यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। भारत से ऑस्ट्रिया की आखिरी प्रधानमंत्री यात्रा 40 साल से अधिक पहले हुई थी। प्रोग्रामिंग तत्वों के संदर्भ में प्रधानमंत्री अपने औपचारिक स्वागत के अलावा, ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे और

हार गए रिषि सुनक, फिर क्यों पीएम मोदी ने उन्हें दी बधाई ?

पीएम मोदी ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए ब्रिटेन की नई सरकार के साथ सहयोग करने के इच्छुक हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को आम चुनावों में उनकी लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। उन्होंने निवर्तमान प्रधान मंत्री ऋषि सुनक की भी उनके नेतृत्व को बधाई दी। स्टार्मर की लेबर पार्टी ने गुरुवार के संसदीय चुनावों में शानदार बहुमत हासिल किया, 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में 412 सीटें हासिल कीं और 14 साल के कंजर्वेटिव शासन को समाप्त कर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए ब्रिटेन की नई सरकार के साथ सहयोग करने के इच्छुक हैं। ब्रिटेन के आम चुनावों में उल्लेखनीय जीत पर कीर स्टार्मर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मैं आपसी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने, सभी क्षेत्रों में भारत–ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग की आशा करता हूं। एक अन्य ट्वीट में पीएम मोदी ने ब्रिटेन के पहले भारतीय मूल के प्रधान मंत्री सुनक को उनके कार्यकाल के दौरान उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। ऋषि सुनक, यूके के आपके सराहनीय नेतृत्व और आपके कार्यकाल के दौरान भारत और यूके के बीच संबंधों को गहरा करने में आपके सक्रिय योगदान के लिए धन्यवाद। आपको और आपके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं। सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास में अपनी सबसे खराब चुनावी हार का सामना करना पड़ा, जिसके लिए जीवन–यापन संकट, आंतरिक उथल–पुथल और पिछले वर्षों में पार्टी के प्रदर्शन से मतदाताओं का असंतोष जैसे मुद्दे जिम्मेदार थे।

सत्ता की दहलीज से कुछ कदम दूर रह जाएंगी मरीन ले पेन ? फ्रांस चुनाव को लेकर क्या कहते हैं सर्वे

ओपिनियनवे ने बिजनेस दैनिक लेस इकोस के लिए 5 जुलाई को प्रकाशित एक सर्वेक्षण में कहा कि फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी आगामी संसदीय चुनावों में पूर्ण बहुमत से कम रह जाएगी।फ्रांस में संसदीय चुनाव में बड़ा उलटफेर होता नजर आ रहा है। पहले चरण के संसदीय चुनाव के बाद मरीन ले पेन के नेतृत्व में देश की धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली अपनी बढ़त से खुश नजर आ रही है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी इस बार तीसरे स्थान पर खिसक गई है। दक्षिणपंथी पार्टी के फ्रांस की राजनीति में दिख रहे वर्चस्व ने उसे सत्ता की दहलीज तक पहुंचा दिया है। खुद मरीन ले पेन नेक कहा कि मैक्रों ग्रुप का लगभग सफाया हो गया है। बता दें कि फ्रांस में दो चरणों में हो रहा संसदीय चुनाव सात जुलाई को संपन्न होगा। हालांकि अब ओपिनियनवे ने बिजनेस दैनिक लेस इकोस के लिए 5 जुलाई को प्रकाशित एक सर्वेक्षण में कहा कि फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी आगामी संसदीय चुनावों में पूर्ण बहुमत से कम रह जाएगी। रविवार को हुए मतदान में आरएन ने 205–230 सीटें जीतीं, 145–175 सीटों के साथ वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और 130–162 सीटों के साथ राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के मध्यमार्गी ब्लॉक से आगे रहे। सत्तारूढ़ बहुमत के लिए नेशनल असेंबली में 289 सीटों की आवश्यकता है।मरीन ले पेन को जीत की पूरी उम्मीद फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली की नेता मरीन ले पेन ने कहा कि उनका दल रविवार को होने वाले दूसरे दौर के चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद ही सरकार का नेतृत्व करेगा। जॉर्डन बार्डेला के नेतृत्व वाली पार्टी ने 30 जून को हुए संसदीय चुनाव के पहले दौर में सबसे ज्यादा मत हासिल किए थे, लेकिन उसे इतने वोट नहीं मिले थे कि वह जीत का दावा कर सके। पेन ने सरकारी प्रसारक फ्रांस इंटर के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि अगर हम काम नहीं कर सकते तो हम सरकार में जाना स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

रिफार्म यूके पार्टी का खुला खाता, 8 प्रयासों के बाद अब ब्रिटेन की संसद में निगेल फराज की होगी एंट्री

3 अप्रैल, 1964 को इंग्लैंड के फार्नबोरो केंट में जन्मे फराज ने दक्षिण लंदन के निजी स्कूल डुलविच कॉलेज से पढ़ाई की है। साथी छात्र उन्हें विवादास्पद बयानों से छात्रों और शिक्षकों को भड़काने वाले छात्र के रूप में भी याद करते हैं।ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव की अभी तक मतगणना में लेबर पार्टी ने बहुमत के लिए पर्याप्त सीटों पर जीत हासिल कर ली है। वहीं, निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी है। अब तक सामने आए नतीजों में, रिफॉर्म यूके पार्टी के निगेल फराज ने अपनी पहली संसदीय सीट जीती। इसके बाद उन्होंने कहा, हमारी पार्टी ने इस चुनाव में जो हासिल किया वह बेहद खास है। कई सीटों पर हम चुनाव नहीं जीते, लेकिन दूसरे नंबर पर रहे। 3 अप्रैल, 1964 को इंग्लैंड के फार्नबोरो केंट में जन्मे फराज ने दक्षिण लंदन के निजी स्कूल डुलविच कॉलेज से पढ़ाई की है। साथी छात्र उन्हें विवादास्पद बयानों से छात्रों और शिक्षकों को भड़काने वाले छात्र के रूप में भी याद करते हैं। लंदन स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया कि जब एक शिक्षक ने प्रीफेक्ट के रूप में उनकी नियुक्ति पर आपत्ति जताई, तो उनकी चिंताओं को उप प्रमुख ने खारिज कर दिया। 18 साल की उम्र में उन्होंने विश्वविद्यालय न जाने का फैसला किया और 1982 में लंदन मेटल एक्सचेंज में एक व्यापारी बन गए। उनकी दो बार शादी हो चुकी है और उनके चार बच्चे हैं। उनका एक समृद्ध पारिवारिक इतिहास है, जिसमें उनके दादा भी शामिल हैं। फराज के दादा ने प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा लिया था और लड़ाई लड़तते हुए घायल भी हुए थे। फराज का राजनीतिक सफर उतार चढ़ाव वाला रहा है। एक कंजर्वेटिव के रूप में सफर शुरू करने वाले फराज ने 1992 में मास्ट्रिच संधि पर पार्टी छोड़ दी और यूके इंडिपेंडेंस पार्टी (यूकेआईपी) की सह–स्थापना की। वह पहली बार 1994 में ईस्टले उप–चुनाव में ब्रिटेन की संसद के लिए रेस में हिस्सा लिया लेकिन अपने प्रयास में असफल रहे। इसके बाद वह 1999 में दक्षिण–पूर्व इंग्लैंड के लिए एमईपी के रूप में यूरोपीय संसद के लिए चुने गए और 2020 तक वहां रहे। एमईपी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, वह ब्रिटिश संप्रभुता की वकालत करने और यूरोपीय संघ की नीतियों की आलोचना करने के लिए यूरोपीय संसद में एक प्रमुख आवाज बन गए। 2010 में उन्होंने तब ख्याति अर्जित की जब उन्होंने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष हरमन वान रोमपुय पर गंभीर आरोप लगाया। 2006 में वह यूकेआईपी पार्टी के नेता भी बने और विवादास्पद बयान देकर अपनी पहचान बनाई। 2010 में उनका राजनीतिक करियर लगभग समाप्त हो गया जब उनके विमान का एक्सीडेंट हो गया। उल्लेखनीय रूप से इस दौरान फराज को काफी चोटें आईं। हालांकि टूटी पसलियों और फेफड़े में छेद होने के बावजूद जीवित रहे। यूरोपीय चुनावों में यूकेआईपी को सफलता मिली 2014 के यूरोपीय चुनावों में यूकेआईपी को सफलता मिली। इसने 24 सीटें और 27 प्रतिशत लोकप्रिय वोट जीते। तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड कैमरन को ब्रिटेन की यूरोपीय संघ की सदस्यता पर जनमत संग्रह की मांग के आगे झुकने के लिए मजबूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दुनिया के सबसे खतरनाक आदमी को मोदी की सीधी चेतावनी, इजरायल भी खुश तो बहुत होगा आज

गरी मूल का अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस चाहता है कि दुनिया वैसे चले जैसे वो बोले। सोरोस चाहता है कि वो इतना ताकतवर बन जाए कि किसी भी देश को तोड़ दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में खड़े होकर एक ऐसा ऐलान किया है जिसने दुनिया में हलचल पैदा कर दी है। पीएम मोदी को इस चुनाव में जिसने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया अब उसे दबोचने का वक्त आ गया है। पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे खतरनाक आदमी की गर्दन पकड़ ली है। ये आदमी जॉर्ज सोरोस है। विश्व के सबसे विवादित चेहरों में से एक–जॉर्ज सोरोस। कुछ के लिए इतिहासपुरूष, फाइनेंसियल गुरु और एक सफल निवेशक, एक अरबपति जो बाजारों को स्थानांतरित करने में सक्षम हैं। जॉर्ज सोरोस ने पीएम मोदी को सत्ता से हटाने की धमकी दी थी। सोरोस ने मोदी के खिलाफ एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया जिसने भारत को भी नुकसान

पहुंचाना शुरू कर दिया। लेकिन अब बदला लेने की बारी पीएम मोदी की है। पीएम मोदी ने पहली बार गुस्से में इस खतरनाक इको सिस्टम पर अटैक किया। दरअसल, हंगरी मूल का अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस चाहता है कि दुनिया वैसे चले जैसे वो बोले। सोरोस चाहता है कि वो इतना ताकतवर बन जाए कि किसी भी देश को तोड़ दे। सोरोस यही खतरनाक षड़यंत्र भारत के खिलाफ चला रहा है। सोरोस का ओपन सोसायटी फाउंडेशन नाम का एनजीओ भारत को तोड़ने की कोशिश में लगा है। सोरोस के इसी एनजीओ ने भारत में एक विषैला इकोसिस्टम खड़ा कर दिया है। गैर सरकारी संगठनों के अपने नेटवर्क के माध्यम से, जॉर्ज सोरोस ने बुद्धिजीवियों के एक वर्ग को विकसित किया है जो भारतीय राज्य, विशेष रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी सरकार का विरोध करने की दिशा में काम करते हैं। मीडिया को फंडिंग करने के अलावा, ओपन सोसाइटी फाउंडेशन वामपंथी झुकाव वाले बुद्धिजीवियों के लिए भी मददगार रहा है, जिन्होंने लगातार मौजूदा सरकार के खिलाफ बयानबाजी की है। 016 में ओपन सोसाइटी फाउंडेशन को भारत सरकार द्वारा निगरानी सूची में रखे जाने से उसे एक बड़ा झटका लगा। जिसके बाद ये साफ हो गया कि किसी भी संगठन को सीधे फंड नहीं दे सकती थी।

परिणामस्वरूप, 2016 से ेथ को भारत में FCRA पंजीकृत संगठनों को पैसा भेजने के लिए गृह मंत्रालय से पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता है। खुद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर जॉर्ज सोरोस को खतरनाक बोल चुके हैं। सोरोस और इकोसिस्टम पर अब पीएम मोदी टूट पड़े हैं। उन्होंने संसद में कहा कि इस इकोसिस्टम को चेतावनी देता हूं।

अक्टूबर में एसीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, क्या इसमें शामिल होने इस्लामाबाद जाएंगे पीएम मोदी ?

पाक विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगी कि पाकिस्तान ने बार–बार कहा है कि हम किसी भी गुट का हिस्सा नहीं हैं।पाकिस्तान ने को कहा कि वह अक्टूबर में एससीओ शासनाध्यक्षों की बैठक की मेजबानी करेगा और समूह के सदस्य देशों के सभी शासनाध्यक्षों को आमंत्रित करेगा। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पाकिस्तान, एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) की घूर्णन अध्यक्षता के रूप में, इस साल अक्टूबर में एससीओ शासन प्रमुखों की बैठक की मेजबानी करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पाकिस्तान में शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण देगा, बलूच ने जवाब दिया कि अध्यक्षता पाकिस्तान की है, इसलिए अध्यक्ष के रूप में हम एससीओ सदस्य देशों के सभी शासनाध्यक्षों को निमंत्रण देंगे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन व्यक्तिगत रूप से होगा, और हमें उम्मीद है कि अक्टूबर में होने वाली शासनाध्यक्षों की बैठक में एससीओ के सभी सदस्यों का प्रतिनिधित्व होगा। उन्होंने कहा कि अक्टूबर शिखर सम्मेलन से पहले एक मंत्रिस्तरीय बैठक और वरिष्ठ अधिकारियों की कई दौर की बैठकें होंगी, जिसमें एससीओ सदस्य देशों के बीच वित्तीय, आर्थिक, सामाजिक–सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बलूच ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी भी गुट का हिस्सा नहीं बनेगा क्योंकि वह सभी देशों के साथ अच्छे संबंध रखने में विश्वास करता है। पाक विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगी कि पाकिस्तान ने बार–बार कहा है कि हम किसी भी गुट का हिस्सा नहीं हैं। हम गुट की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं। हम आपसी सम्मान, आपसी विश्वास और एक–दूसरे के घरेलू मामलों में गैर–हस्तक्षेप के आधार पर सभी देशों के साथ अच्छे संबंधों में विश्वास करते हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 06 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com

भारत नहीं साउथ अफ्रीका के जीतने की कामना कर रहा था ये भारतीय खिलाड़ी, बीबीसीसीआई के वीडियो में हुआ खुलासा

रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया है। टी20 क्रिकेट इतिहास में ये दूसरा मौका था जब टीम इंडिया ने वर्ल्ड चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का समापन 29 जून को हो गया था और अब भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है जहां शुभमन गिल की कप्तानी में युवा भारतीय टीम मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया है। टी20 क्रिकेट इतिहास में ये दूसरा मौका था जब टीम इंडिया ने वर्ल्ड चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का समापन 29 जून को हो गया था और अब भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है जहां शुभमन गिल की कप्तानी में युवा भारतीय टीम मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 6 जुलाई यानी शनिवार से होगी और हरारे में दोनों टीमें एक दूसरे के आमने सामने होंगे। इस मुकाबले से पहले बीसीसीआई ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें जिम्बाब्वे दौरे पर गए खिलाड़ियों ने रोहित शर्मा और टीम इंडिया को बधाई दी। इस वीडियो में जिम्बाब्वे दौरे पर गए विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि वो भात नहीं साउथ अफ्रीका की जीत की दुआ कर रहे थे। बीसीसीआई ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें शुभमन गिल ने कहा कि सबने काफी मेहनत की और हमें ये जीत मिली। इस जीत से हमें काफी प्रेरणा मिली। वहीं रियान पराग ने कहा कि ये जीत युवाओं को प्रेरित करने वाला है और हमें इस पर गर्व है। अभिषेक शर्मा ने कहा कि मैं फाइनल मुकाबला युवी पाजी के साथ देख रहा था। जब भारतीय टीम फाइनल जीत रही थी तब वो काफी इमोशनल हो गए थे। मुझे वो देखकर काफी प्रेरणा मिली और काफी अच्छा लगा। हम सबका ड्रीम है आईसीसी ट्रॉफी जीतना और युवी पाजी ने इंडिया के लिए वो जीती हुई है। मैं उस पल को नहीं भूल सकता और भारत के जीतने के बाद हमने बाहर जाकर खूब सेलीब्रेट किया। जिम्बाब्वे दौरे पर गए भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि शुरुआत में जब मैं बोल रहा था कि भारत जीत जाए तो साउथ अफ्रीका की टीम जीत रही थी। इसके बाद मैंने कहना शुरू कर दिया कि साउथ अफ्रीका जीत जाए तो फिर मैच भारत के पक्ष में हो गया और टीम चौंपियन बनी। मैं भारत की जत से काफी खुश था और एक बच्चे की तरफ से मैंने इस जीत को सेलीब्रेट किया। ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि ये बड़ी जीत थी क्योंकि एक जगह पर ऐसा लगा कि हम मैच हार रहे हैं लेकिन हमने वापसी की और ये एक ग्रेट मोमेंट था। तुषार देशपांडे ने कहा कि चमत्कार होते हैंऔर ये भारत की जीत से साबित हो गया।

रोहित को 15 साल में पहली बार इतना भावुक होते हुए देखा – विराट कोहली

स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने गुरुवार को यहां टीम के सम्मान समारोह के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने खुलासा किया कि उन्होंने 15 साल में कभी भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को इतना भावुक होते नहीं देखा था जिन्होंने टी20 विश्व कप जीत के बाद डबडबायी आंखों से उन्हें गले लगा लिया था।मुंबई। स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने गुरुवार को यहां टीम के सम्मान समारोह के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने खुलासा किया कि उन्होंने 15 साल में कभी भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को इतना भावुक होते नहीं देखा था जिन्होंने टी20 विश्व कप जीत के बाद डबडबायी आंखों से उन्हें गले लगा लिया था। कोहली ने खुली बस में यादगार 'विक्ट्री परेड' के बाद आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कहा, ''15 साल में यह पहली बार है जब मैंने रोहित को इतना भावुक होते देखा है। जब हम (केनसिंग्टन ओवल में) सीढ़ियां चढ़ रहे थे तो वह रो रहे थे और मैं भी रो रहा था।''कोहली जब 21 साल के थे तो उन्होंने इसी मैदान पर कहा था कि 21 वर्षों तक भारतीय क्रिकेट का भार उठाने वाले महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को अपने कंधों पर उठाना बिलकुल उचित है। कोहली (34 वर्ष) ने पिछले हफ्ते ट्रॉफी जीतने के बाद क्रिकेट के इस छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने इस मैदान पर खड़े होकर उम्मीद जताई कि उन्होंने और उनके कप्तान ने 15 वर्षों तक जिम्मेदारी उठाने और ट्राफी देश में लाने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। कोहली ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने (रोहित और मैंने) जिम्मेदारी उठाई है और ट्रॉफी यहां (वानखेड़े) वापस लाने से बेहतर कुछ नहीं है।'' उन्हें फाइनल की पारी के ब्रेक के दौरान पता था कि यह उनका आखिरी मैच था। कोहली ने कहा, ''मैच आधा खत्म होने के बाद मैं जानता था कि अब समय आ गया है कि अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।'' 2011 में वह टीम के सबसे कम उम्र के सदस्य थे, उन्होंने सचिन तेंदुलकर, हरभजन सिंह और युवराज सिंह को भावुक होते हुए देखा था और शायद उन्हें इनका भावनात्मक होना समझ में नहीं

आया। लेकिन अब वह इसे अच्छी तरह समझ सकते हैं। उन्होंने कहा, '' मैं उस रात (2011 विश्व कप जीतने के बाद) सीनियर खिलाड़ियों की भावनाओं को समझ नहीं पाया था जब वे रोने लगे थे लेकिन अब मैं इन्हें समझ सकता हूं।'' कार्यक्रम के संचालक गौरव कपूर ने हल्के फुल्के अंदाज में पूछा, ''मैं जसप्रीत बुमराह को 'राष्ट्रीय धरोहर' घोषित करने के लिए एक याचिका पर हस्ताक्षर करने के बारे में सोच रहा हूं। क्या आप इस पर हस्ताक्षर करेंगे?'' कोहली ने तुरंत जवाब दिया, ''मैं अभी तुरंत इस पर हस्ताक्षर करूंगा। '' कोहली ने कहा, ''बुमराह जैसा खिलाड़ी एक पीढ़ी में पैदा होता हैं और हमें खुशी है कि वह हमारे लिए खेलता है।'' जसप्रीत बुमराह के लिए यह जिंदगी में एक बार होने वाला अनुभव था। उन्होंने कहा, ''यह मैदान सही में बहुत विशेष है। मैं तब बच्चा था तो यहां आया था और आज मैंने जो देखा, ऐसा पहले कभी नहीं देखा।'' बुमराह ने कहा ''अपने बेटे को देखकर मैं भावुक हो गया और मेरे पास शब्द नहीं थे। मैंने अपनी पत्नी से कहा कि मैं अपने बेटे को देखना चाहता हूं (मुझे खेलते हुए देखना)।'' निवर्तमान कोच राहुल द्रविड़ ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मुझे दर्शकों का यह प्यार बहुत याद आयेगा, आज रात मैं सड़कों पर जो देखा, उसे कभी नहीं भूलूंगा।

टी20 वर्ल्ड कप जीतकर घर लौटे हार्दिक पंड्या, पत्नी नताशा स्टेनकोविक की जगह इस शख्स ने किया ग्रैंड वेलकम

हार्दिक पंड्या और सर्बियन मॉडल और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक के तलाक की अफवाहों ने फिर से जोर पकड़ने लगी हैं। जहां एक तरफ हार्दिक पंड्या के भारत लौटने के बाद नताशा स्टेनकोविक बैक टू बैक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर रही हैं। वहीं दूसरी तरफ हार्दिक का घर पर जोरदार वेलकम हुआ है, जिसकी झलक क्रिकेटर की भाभी पंखुड़ी शर्मा ने सोशल मीडिया पर दिखाई है। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद पूरी टीम इंडिया भारत लौट आई है। इंडियन क्रिकेट टीम के स्वागत और जश्न की तस्वीरें और वीडियो पूरे सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। लेकिन इन्हीं सब के बीच क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और सर्बियन मॉडल और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक के तलाक की अफवाहों ने फिर से जोर पकड़ने लगी हैं। जहां एक तरफ हार्दिक पंड्या के भारत लौटने के बाद नताशा स्टेनकोविक बैक टू बैक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर रही हैं। वहीं दूसरी तरफ हार्दिक का घर पर जोरदार वेलकम हुआ है, जिसकी झलक क्रिकेटर की भाभी पंखुड़ी शर्मा ने सोशल मीडिया पर दिखाई है। क्रिकेटर हार्दिक

पंड्या की भाभी और क्रुणाल पांड्या की पत्नी पंखुड़ी शर्मा ने बीती देर रात अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें ब्लैक कलर की टी–शर्ट और पैंट पहने हार्दिक पंड्या बलिखा हुआ केक काट रहे हैं। साथ ही वीडियो में हार्दिक के पीछे देखा जा सकता है कि नीले और सफेद रंग के गुब्बारों से सजावट की गई है और बधाई एचपी लिखा हुआ है। हार्दिक के घर पर ग्रैंड वेलकम का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। लेकिन इस बीच सबके बीच एक ही सवाल है कि आखिर नताशा हार्दिक के साथ क्यों नहीं दिख रही हैं?वहीं टीम इंडिया के टी20 वर्ल्ड कप जीतने और हार्दिक के घर लौटने तक के बीच नताशा ने पति हार्दिक के लिए किसी तरह की कोई पोस्ट शेयर नहीं की थी। हालांकि, नताशा एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर चुकी हैं, ऐसे में एक बार फिर दोनों के तलाक की खबरें चर्चा में हैं। बता दें कि, नताशा ने बीते दिन एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। जिसमें वह ऐसे तो मेकअप करती दिखाई दे रही हैं लेकिन वीडियो पर एक्ट्रेस ने लिखा कि, ईश्वर मेरी मदद करना जब मैं प्रॉब्लम में हूं और मेरी रक्षा करना। जब मैं नहीं हूं। नताशा के इस पोस्ट ने फैंस को हैरान कर दिया है।

पीसीबी ने बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और रिजवान को दिया बड़ा झटका, हुआ लाखों का नुकसान

पाकिस्तान क्रिकेट को हर तरफ से आलोचना झेलनी पड़ रही है। टूर्नामेंट के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी भी सख्त रुख अपना चुका है। टूर्नामेंट के बाद खबर आई थी कि पीसीबी अपने खिलाड़ियों पर लगाम लगाएगा और विदेशी टी20 लीगों में हिस्सेदारी को लेकर कड़ा कदम उठाएगा।टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट को हर तरफ से आलोचना झेलनी पड़ रही है। टूर्नामेंट के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी भी सख्त रुख अपना चुका है। टूर्नामेंट के बाद खबर आई थी कि पीसीबी अपने खिलाड़ियों पर लगाम लगाएगा और विदेशी टी20 लीगों में हिस्सेदारी को लेकर कड़ा कदम उठाएगा। पीसीबी ने इसकी शुरुआत कर दी है और निशाने पर आए हैं टी20 टीम के कप्तान बाबर आजम, विकेटकीपर– बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी। इन तीनों खिलाड़ियों को पीसीबी ने कड़ा झटका दिया है। बाबर आजम, रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी को कनाडा की जीटी20 लीग में हिस्सा लेना था, लेकिन पीसीबी ने इन तीनों को इस लीग में खेलने की अनुमति नहीं दी है। पीसीबी चेयरमैन मोहसीन नकवी ने एनओसी देने से मना कर दिया है। साफ कहा है कि देश पहले है। नकवी ने कहा है कि जो खिलाड़ी एनओसी मांग रहे हैं उन्हें मना कर दिया गया है और इसके पीछे का कारण आने वाली टेस्ट सीरीज है।

विक्ट्री परेड के बाद वानखेड़े में Team India को किया गया सम्मानित

मुंबई में टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम के स्वागत के लिए आयोजित विक्ट्री परेड जनसैलाब उमड़ पड़ा। टीम इंडिया की ये विक्ट्री परेड नरीमन पॉइंट में नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) से शाम पांच बजे शुरू होकर वानखेड़े स्टेडियम में समाप्त हुई।गुरुवार की शाम मुंबई में टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम के स्वागत के लिए आयोजित विक्ट्री परेड जनसैलाब उमड़ पड़ा। टीम इंडिया की ये विक्ट्री परेड नरीमन पॉइंट में नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) से शाम पांच बजे शुरू होकर वानखेड़े स्टेडियम में समाप्त हुई। उससे पहले रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम नई दिल्ली से देरी से मुंबई पहुंची। जिससे परेड सात बजकर 30 मिनट के बाद ही शुरू हो पाई। इस विजय जुलूस का साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मरीन ड्राइव पर पहुंच गए। भारतीय टीम बारबाडोस से सुबह नई दिल्ली पहुंची थी जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

इसके बाद टीम दोपहर बाद तीन बजकर 42 मिनट पर ही मुंबई के लिए रवाना हो पाई। वानखेड़े स्टेडियम को प्रशंसकों के लिए खोल दिया गया और कुछ मिनट में ही स्टेडियम खचाखच पर गया। स्टेडियम के गेट को शाम पांच बजे के लगभग बंद कर दिया गया और कई प्रशंसक बाहर इंतजार करते रह गए। भारतीय टीम विस्तारा के विमान से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 पर पहुंची, जहां उसे 'वाटर सैल्यूट' दिया गया। इस बीच डीजे ने सभी तरह के गानों से मनोरंजन किया और एक बार तो ऐसा लगा कि वानखेड़े में रेन–डांस पार्टी हो रही है। स्टेडियम के स्पीकर से वेंगाबॉयज का पार्टी हिट टू ब्राजील और देश का अनौपचारिक खेल गान चक दे ष्इंडिया बजने लगा। इसके तुरंत बाद वानखेड़े में सचिन...सचिन और मुंबईचा राजा, रोहित शर्मा! और इंडिया...इंडिया के पारंपरिक नारों के साथ माहौल जीवंत हो उठा। टीम इंडिया की विक्ट्री परेड वहीं जब टीम इंडिया देरी से टीम इंडिया के खिलाड़ी ओपन बस पर वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ नजर आ रहे हैं। इस दौरान रोहित शर्मा और भारत के अन्य खिलाड़ी फैंस से भी मिल रहे हैं। आपको बता दें कि लाखों की संख्या में फैंस खिलाड़ियों का इंतजार कर रहे हैं। इस परेड के दौरान रोहित और विराट ने विक्ट्री परेड के दौरान एक साथ ट्रॉफी को उठाया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के इस पल को देखकर फैंस काफी उत्साहित हैं।

वक्त बदला, हालात बदले और... वानखेड़े में हार्दिक– हार्दिक के नारे, कुछ महीने पहले इसी मैदान पर हुई थी हूटिंग

वहीं मुंबई इंडियंस के होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में भी हार्दिक को फैंस की नाराजगी झेलनी पड़ी। लेकिन दो महीने बाद वक्त बदला, हालात भी बदले और वही फैंस आज वानखेड़े स्टेडियम में हार्दिक–हार्दिक के नाम के नारे लगा रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम के हीरो रहे स्टार ऑलराउंर हार्दिक पंड्या के लिए पिछले कई महीने उतार–चढ़ाव के रहे। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बीच में ही चोटिल होने के बाद टूर्नामेंट से बाहर होना और फिर आईपीएल 2024 में वापसी हार्दिक पंड्या के लिए आसान नहीं रही। इसके बाद आईपीएल 2024 में हार्दिक पंड्या को रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिलना और फैंस का लागातार उनके खिलाफ हूटिंग और उन्हें ट्रोल करना जारी रहा। फैंस आईपीएल 2024 में हार्दिक पंड्या से काफी नाराज थे जिस कारण देश का कोई भी मैदान अछूता नहीं रहा जहां हार्दिक पंड्या को लेकर हूटिंग नहीं हुई। वहीं मुंबई इंडियंस के होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में भी हार्दिक को फैंस की नाराजगी झेलनी पड़ी। लेकिन दो महीने बाद वक्त बदला, हालात भी बदले और वही फैंस आज वानखेड़े स्टेडियम में हार्दिक–हार्दिक के नाम के नारे लगा रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को स्पेश चार्टर विमान से स्वदेश लौट आई है। जिसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच टीम इंडिया पहले पीएम मोदी से दिल्ली में उनके आवास पर मिली और साथ ही ब्रेकफास्ट भी किया। उसके बाद भारतीय टीम मुंबई के लिए निकल गई और अब मुंबई पहुंच भी गई है। इसके साथ ही खुली बस में विजय परेड होगी और फिर वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह होगा।

त्वचा के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकते हैं आम के ये 5 फेस पैक

आम का महीना खत्म होने से पहले इसे खरीदें और इसका कुछ हिस्सा अपनी त्वचा की देखभाल के लिए इस्तेमाल करें।यह रसदार फल विटामिन–ए, विटामिन–सी, विटामिन–ई, विटामिन–के, जैंथोफिल, पॉलीफेनोलिक्स, फ्लेवोनोइड्स और बीटा–कैरोटीन जैसे गुणों से भरपूर होता है, जो त्वचा को पोषित कर इसे कई समस्याओं से सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं।आइए आज हम आपको 5 तरह के आम के फेस पैक बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल त्वचा के लिए लाभदायक हो सकता है।

आम, शहद और नींबू का फेस पैक

आम के साथ शहद और नींबू का संयोजन त्वचा का अतिरिक्त तेल सोखकर कील–मुंहासों से छुटकारा दिला सकता है।लाभ के लिए सबसे पहले 2 बड़ी चम्मच आम का गूदा, 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच नींबू का रस एक साथ मिलाएं।अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट के बाद चेहरे को ठंडे

पानी से धो लें, फिर चेहरे पर जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं।

आम और एलोवेरा जेल का फेस पैक

यह फेस पैक त्वचा की कोशिकाओं की मरम्मत करने और इसे हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए 2 बड़ी चम्मच आम का गूदा और 1 बड़ी चम्मच ताजा एलोवेरा जेल एक साथ मिलाएं, फिर इसे अपने चेहरे पर मेकअप ब्रश की मदद से लगाएं और जब आपको लगे फेसपैक अच्छे से सूख चुका है, तब अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।इसके बाद चेहरे को तौलिए से सुखाकर मॉइश्चराइजर लगा लें।आम और एवोकाडो का फेस पैक

आम और एवोकाडो का मिश्रण समय से पहले उभरने वाले बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने में सहायता प्रदान कर सकता है।लाभ के लिए सबसे पहले 3 चम्मच आम का गूदा, 1 बड़ी चम्मच एवोकाडो का गूदा और थोड़ा नारियल का तेल एक साथ मिलाएं।अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर कुछ मिनट मलें। 15–20 मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।यहां जानिए एवोकाडो से बनाए जाने वाले अन्य फेस पैक।

आम, नारियल के तेल और दही का फेस पैक

यह फेस पैक त्वचा की गंदगी को दूर करने और इसे निखारने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए 1 बड़ी चम्मच आम का गूदा, 1 चम्मच नारियल का तेल और 1 चम्मच दही को एक साथ अच्छे से मिला लें।अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। आखिर में चेहरे को पानी से धो लें।यहां जानिए चमकती–दमकती त्वचा पाने के लिए पपीते के छिलकों का इस्तेमाल।

आम, बेसन, बादाम और शहद का फेस पैक

सूरज के संपर्क में अधिक देर तक रहने से सनबर्न की समस्या हो सकती है, जिसके कारण त्वचा की असमान रंगत, जलन और लालिमा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है। हालांकि,

यह फेस पैक इस समस्या के असर को कम कर सकता है। लाभ के लिए 1 चम्मच आम का गूदा, आधी चम्मच बेसन, आधी चम्मच पीसे बादाम और थोड़ा शहद

एक साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो चेहरे को पानी से धो लें।

ब्रश करने के बाद आप भी रेगुलर माउथवॉश का करते हैं इस्तेमाल तो हो जाएं सावधान, जानिए क्यों ?

आप भी ब्रश करने के बाद रेगुलर माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाए क्योंकि हाल ही में हुए रिसर्च में पता चला है कि लिस्टरीन कूल मिंट माउथवॉश कैंसर का खतरा पैदा करती है.माउथवॉश का इस्तेमाल करने वाले सावधान हो जाएं क्योंकि रिसर्च में इससे होने वाले कैंसर के बारे में खुलासा किया गया है.रिसर्च में पाया गया है कि माउथवॉश करने से मुंह की बैक्टीरिया बढ़ जाती है. यह बैक्टीरिया मसूड़ों की बीमारी, गले का कैंसर, पेट के कैंसर के साथ शरीर के बाकी अंगों में भी कैंसर का कारण बन सकती है.मसूड़े की बीमारी शरीर के बाकी अंगों में भी फैल सकती है. माउथवॉश करने से गले और पेट के कैंसर का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. मुंह की सेहत का सीधा पेट और शरीर पर असर होता है.मुंह की ठीक से सफाई करने के कारण मुंह में इंफेक्शन और मसूड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ता है जैसे मसूड़े में सूजन की समस्या रहती है. मसूड़े में सूजन होना कैंसर का एक फैक्टर हो सकता है.मसूड़े की बीमारी होने पर इंफेक्शन का खतरा होता है. पेट में होने वाले कैंसर को गले के कैंसर से जोड़ा गया है. मसूड़े की बीमारी के लिए कई सारी बैक्टीरिया

जिम्मेदार होती है. जैसे फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम. यह बैक्टीरिया शरीर के बाकी हिस्सों में जब जाती है तो इंसान बीमार पड़ने लगता है. माउथवॉश में फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम और स्ट्रेप्टोकोकस एंगिनोसस की मात्रा बढ़ी होती है. इसके कारण मुंह में बैक्टीरिया बढ़ने लगता है. इसके कारण ट्यूमर बढ़ने लगता है. और आगे जाकर यह कैंसर का रूप ले लेती है.

लव सिन्हा ने सोनाक्षी सिन्हा के ससुर पर किया कमेंट, हटाई पोस्ट

सोनाक्षी सिन्हा के भाई लव सिन्हा ने जहीर इकबाल के पिता के बारे में अपनी पोस्ट हटा दी है, जिसमें उन्होंने एक राजनेता से अपनी निकटता के बारे में बात की थी, जिसकी ईडी जांच वॉशिंग मशीन में गायब हो गई थी! लव ने कहा कि वह अब इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे!सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून को मुंबई में जहीर इकबाल के साथ शादी कर ली । इस कपल ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में रजिस्टर्ड मैरिज की। सोनाक्षी द्वारा शेयर किए गए इमोशनल वीडियो ने सभी को भावुक कर दिया। सोनाक्षी के माता–पिता उनके साथ थे, लेकिन उनके भाई लव और कुश सिन्हा उनकी शादी में नजर नहीं आए । उनके भाई ने आखिरकार एक लेख शेयर करके इस बारे में खुलकर बात की। लव ने श्द टेलीग्राफश में उस लेख का एक पैराग्राफ भी लिखा, जिसमें लिखा था ष्जाहिर है, चिंता का एक कारण दूल्हे के पिछले जीवन के बारे में एक अफवाह थी।लव ने एक्स पर पोस्ट किया अपने पारिवारिक व्यवसाय के बारे में सावधानीपूर्वक तैयार की गई खबरों के साथ, दूल्हे के पिता की एक राजनेता से निकटता जैसे ग्रे क्षेत्रों में कोई नहीं गया जिसकी ईडी जांच ष्वाशिंग मशीनष् में गायब हो गई थी। न ही दूल्हे के पिता के दुबई में रहने की कोई चर्चा थी,

दुनियाभर में आई कल्कि 2898 एडी की सुनामी, 700 करोड़ क्लब में की दमदार एंट्री

कल्कि 2898 एडी का क्रेज थमने का नाम नहीं ले रहा है. फिल्म हर रोज बॉक्स ऑफिस पर दमदार बिजनेस कर रही है. प्रभास स्टारर ये पैन इंडिया फिल्म ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बल्कि दुनिया भर में छा गई है. 27 जून को रिलीज हुई फिल्म कल्कि 2898 एडी हर रोज करोड़ों नोट बटोर रही है. वहीं अब महज 6 दिन में फिल्म ने 700 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है.कल्कि 2898 एडी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज ने फिल्म के वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ रुपए कमाने की जानकारी दी है. पोस्ट में दीपिका पादुकोण की फिल्म से फोटो शेयर करते हुए लिखा है– और सपना जारी है. कल्कि 2898 एडी का जादू देखिये, अब सिनेमाघरों में.बता दें कि प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी ने 700 करोड़ क्लब में शामिल होकर सुपरस्टार की ब्लॉकबस्टर फिल्म सालार को मात दे दी है. सालार पिछले साल थिएटर्स में रिलीज हुई थी और इस ब्लॉकबस्टर फिल्म ने 625.6 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था. इसी के साथ सालार प्रभास के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी. हालांकि अब कल्कि 2898 एडी ने ये रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. बाहुबली– द कन्क्लूजन अब भी प्रभास की दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है. फिल्म ने 1345.8 करोड़ रुपए कलेक्शन किया था. अब देखना ये है कि सालार के बाद कल्कि 2898 एडी बाहुबली– द कन्क्लूजन को पछाड़ पाती है या नहीं.नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनी फिल्म कल्कि 2898 एडी का बजट 600 करोड़ रुपए है और इसे भारत की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा था. अब फिल्म ने वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ अपना बजट निकाल लिया है. कल्कि 2898 एडी के स्टार कास्ट की बात करें तो प्रभास के अलावा इसमें दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी अहम भूमिकाओं में हैं. इसके अलावा दुलकर सलमान, विजय देवरेकोंडा समेत कई स्टार्स का कैमियो भी है.

काली रात, उदास चेहरा, कुबेर से रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर आउट

कुबेर से नागार्जुन अक्किनेनी और धनुष के फर्स्ट लुक जारी करने के बाद मेकर्स अब रश्मिका मंदाना का लुक रिलीज करने के लिए तैयार हैं. इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर जारी किया है. वहीं, 5 जुलाई 2024 को मेकर्स उनके किरदार से रूबरू कराएंगे. इससे पहले शेखर कम्मुला की निर्देशित फिल्म से नागार्जुन अक्किनेनी और तमिल स्टार धनुष के फर्स्ट लुक को रिलीज किए गए थे.मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर रिलीज किया है और कैप्शन में लिखा है, हमारी अगला प्रोजेक्ट में से एक. पोस्टर में रश्मिका को काली रात के अंधेरे में देखा जा सकता है. एक्टेस का चेहरे ऐसा लग रहा है, जैसे वह किसी बात से चिंतित हैं.उधर रश्मिका मंदाना ने भी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना पोस्टर शेयर किया है. उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कुबेर का फर्स्ट लुक. पोस्टर पर रश्मिका के फर्स्ट लुक की रिलीज की डिटेल्स दी गई है. मेकर्स एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक 5 जुलाई को सुबह 11.34 बजे करेंगे.शेखर कम्मुला की निर्देशित कुबेर को तीन भाषाओं में रिलीज किया है. फिल्म में धनुष, नागार्जुन, जिम सर्भ और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म की घोषणा 2022 में की गई थी और यह पिछले साल फ्लोर पर आई थी. फिल्म की शूटिंग जोरों पर है. रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की लगभग 60 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है.।

मिर्जापुर 3 शबनम बनेगी ड्रग कार्टेल का हिस्सा, शेरनवाज जिजीना ने किया खुलासा

सुपरहिट क्राइम–थ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का बेसब्री से फैंस को इंतजार है। कुछ ही घंटे बचे हैं और सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो जाएगी। लाखों फैंस की तरह एक्ट्रेस शेरनवाज जिजीना भी बेसब्र हैं। उन्होंने बताया कि इस सीजन में उनका किरदार ड्रग कार्टेल का है और वो ड्रग डील करती दिखेंगी। एक्ट्रेस सीरीज में शबनम के किरदार में हैं, जो अफीम का कारोबार चलाने वाले लाला (अनिल जॉर्ज) की बेटी हैं। शेरनवाज जिजीना ने कहा, शबनम ने कभी किसी के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया, उसने कभी बंदूक नहीं पकड़ी, और वह इस पूरी चीज से दूर है। लेकिन अब अचानक वह ड्रग डील कर रही है और गुड्डू के खिलाफ खड़ी है। यह मजेदार है। मिर्जापुर में अपनी पहचान बनाने को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, मिर्जापुर शो पूरी तरह से गद्दी के इर्द–गिर्द घूमता है। शो के पुरुष किरदार गुड्डू पंडित और कालीन भैया, शरद और बाकी सभी हैं, जो इस बात पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं कि गद्दी पर कौन शासन करेगा। हमारे लेखकों और निर्देशकों ने महिलाओं के किरदारों को बहुत खूबसूरती से पेश किया है, क्योंकि महिलाएं सीरीज की जान हैं, वे पुरुषों को गद्दी तक पहुंचने में मदद कर रही हैं। उन्होंने साझा किया कि चाहें वह श्वेता त्रिपाठी शर्मा का गोलू किरदार हो, बीना बनी रसिका हों या माधुरी की भूमिका में ढली ईशा तलवार हों , सभी ने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने आगे कहा, महिलाओं को पुरुष प्रधान शो में आगे बढ़ने का मौका मिला। और वो बड़े निखर कर सामने आईं। इसका पूरा श्रेय हमारे लेखकों को जाता हैं, जिन्होंने शानदार काम किया है। उन्होंने आगे बताया कि यह सीजन उनके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा– वह (उनका किरदार) हर सीजन के साथ शो में बड़ी होती गई हैं। इस किरदार की मासूमियत और सरलता को बनाए रखना बेहद जरूरी था। वह शो में एकमात्र ऐसी है जिसे सत्ता या पैसे की लालसा नहीं है। उसे अपने नुकसान का कोई मलाल नहीं है, बल्कि इसके बजाय, वह हर पहलू में दया दिखाती है। इस तरह के किरदार को निभाने के लिए आपको बहुत धैर्य की जरूरत होती है और यह मेरे पास मौजूद शानदार टीम के बिना संभव नहीं होता। उन्होंने आगे कहा, उसका (शबनम) ग्राफ इतना बदल रहा है, वह अपने पिता के बिजनेस की जिम्मेदारी संभालती है। वह परिवार का बेटा बन जाती है। गुड्डू ने उसे बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया, वह उसके कारण अपने पति को खो देती है, और उसके पिता उसके कारण जेल जाते हैं, फिर भी उसकी प्राथमिकता गुड्डू है। उसकी प्राथमिकता फिर भी मिर्जापुर की गद्दी नहीं है। तीसरे सीजन में, उसके लिए चीजें बदली हैं। इस नए सीजन को लेकर दूसरे सीजन में शुरू हुई गुड्डू पंडित और शबनम की प्रेम कहानी को लेकर सस्पेंस बना हुआ हैं। मिर्जापुर 3में उनकी प्रेम कहानी देखने को मिलने वाली है। दरअसल, दूसरे सीजन में गुड्डू पंडित और शबनम (शेरनवाज जिजीना) के बीच प्यार को दिखाया गया था। त्रिपाठी परिवार से अपने भाई और पत्नी की मौत का बदला लेने के लिए गुड्डू पंडित गोरखपुर में लाला के यहां पनाह लेता है। यहां रहकर वह लाला के अफीम के बिजनेस को बढ़ाता है और उसका भरोसा जीतता है। इस दौरान लाला की बेटी शबनम से गुड्डू पंडित को प्यार हो जाता है। लाला गुड्डू को शबनम से दूर रहने की धमकी भी देता है, बावजूद इसके दोनों मिलना–जुलना जारी रहता है। मिर्जापुर 2 में गुड्डू पंडित और शबनम का किसिंग सीन भी दिखाया गया था।

फिल्म बेबी जान का नया पोस्टर हुआ जारी, बढ़ी हुई दाढ़ी और बेहद गंभीर लुक में दिखे वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन ने साउथ के निर्देशक कलीश और जवान के निर्देशक एटली कुमार के साथ मिलकर बेबी जॉन नामक एक प्रोजेक्ट बनाया है। बता दें कि घोषणा के बाद से ही निर्माता फिल्म के पीछे के दृश्यों से फैंस को चिढ़ा रहों हैं, जिससे वो और अधिक देखने के लिए उत्सुक हैं। अब, निर्माताओं ने हाई–ऑक्टेन एक्शन फिल्म से वरुण धवन का एक नया पोस्टर जारी किया है और वो कातिलाना लग रहें हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। आपको बता दें कि फिल्म बेबी जॉन के नए पोस्टर में वरुण धवन लंबे, गीले बाल, बढ़ी हुई दाढ़ी और बेहद गंभीर भाव में दिखाई दे रहें हैं। ऐसा लग रहा है कि वो एक बड़ी लड़ाई में शामिल होने और अपने रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति को हराने के लिए तैयार हैं। पोस्टर में एक तरफ फिल्म की रिलीज की तारीख और अन्य विवरण भी शामिल हैं। वरुण धवन पहली बार फिल्म में अपने एक्शन कौशल का प्रदर्शन करेंगे और बेबी जॉन तीव्र एक्शन, रोमांचकारी मनोरंजन और शक्तिशाली प्रदर्शनों से भरी होगी। यह फिल्म कीर्ति सुरेश की हिंदी फिल्म डेब्यू भी है और इसमें वामिका गब्बी भी हैं, जो सिल्वर स्क्रीन पर अपनी शुरुआत कर रही हैं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। बेबी जॉन एस थमन म्यूजिकल है।

बेबी जॉन को जियो स्टूडियोज ने एटली और सिने1 स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया है। एप्पल स्टूडियोज और सिने1 स्टूडियोज के प्रोडक्शन के लिए बनी इस फिल्म का निर्माण मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे ने किया है। कलीज द्वारा निर्देशित, बेबी जॉन 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों मे रिलीज होने वाली है।

वरुण धवन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो हाल ही में शरवरी वाघ की मुंज्या में भास्कर शर्मा के रूप में कैमियो किया। वहीं, बेबी जॉन के बाद वरुण, जान्हवी कपूर के साथ करण जौहर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में दिखाई देने वाले हैं। साथ ही उनके पास सामंथा रूथ प्रभु के साथ राज और डीके की सिटाडेल हनी बनी भी है। इसके अलावा वरुण धवन की लिस्ट में दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर के साथ नो एंट्री 2 में अभिनय करने वालें हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का निर्माण बोनी कपूर करेंगे और इसका निर्देशन अनीस बज्मी करेंगे।

प्रभु देवा और वेधिका स्टारर पेट्टा रैप का टीजर रिलीज

अभिनेता विजय सेतुपति ने आगामी फिल्म पेट्टा रैप का पहला आधिकारिक टीजर जारी किया, तो उत्साह चरम पर पहुँच गया। इस फिल्म में प्रभु देवा और वेधिका मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय सेतुपति द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया यह टीजर इस संगीतमय असाधारण फिल्म के लिए एक आशाजनक शुरुआत दर्शाता है।अपने कैप्शन में, विजय सेतुपति ने पेट्टा रैप का टीजर पेश करने पर अपनी खुशी व्यक्त की और पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ दीं।पेट्टा रैप 1990 के दशक के प्रभु देवा के प्रतिष्ठित हिट नंबरों में से एक से प्रेरित है, जो एक जीवंत कथा के लिए मंच तैयार करता है। फिल्म में, प्रभु देवा एक महत्वाकांक्षी अभिनेता की भूमिका निभाते हैं, जबकि वेधिका एक संगीत बैंड का नेतृत्व करती है, जो एक आकर्षक कहानी का वादा करती है जो उनके जुनून और महत्वाकांक्षाओं को जोड़ती है। इस फिल्म में विवेक प्रसन्ना, भगवती पेरुमल, रमेश थिलक, माइम गोबी, रियाज खान और कलाभवन शाजोन सहित प्रतिभाशाली कलाकारों की टुकड़ी है, जो कथा कैनवास में गहराई जोड़ती है। डी इम्मान का संगीत स्कोर और जीतू दामोदर की सिनेमैटोग्राफी फिल्म के सौंदर्य आकर्षण को बढ़ाने के लिए तैयार है, जो दर्शकों के लिए एक दृश्य और श्रवण का वादा करती है। पेट्टा रैप के इर्द–गिर्द उत्सुकता बढ़ने के साथ, प्रशंसक प्रभु देवा, वेधिका और पर्दे के पीछे के प्रतिभाशाली क्रू के बीच इस रोमांचक सहयोग की आगे की अपडेट और झलकियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पेट्टा रैप संगीत, ड्रामा और मनोरंजन के अपने अनूठे मिश्रण के साथ अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है, इसलिए देखते रहिए।

जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ की रिलीज टली, नई तारीख का हुआ ऐलान

मई की आखिर में जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन दर्शकों को एक्ट्रेस की एक्टिंग काफी पसंद आई थी। इसे देखने के बाद अब जाह्नवी के फैंस उनकी अगली फिल्म उलझ का इंतजार कर रहे हैं।ऐसे में मेकर्स ने भी फैंस का यह इंतजार अब खत्म कर दिया है और एक मोशन पोस्टर शेयर करते हुए उलझ की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। चलिए जानते हैं यह मूवी कब दस्तक देने वाली है।जाह्नवी कपूर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया है। इसमें फिल्म का टाइटल और उससे जुड़ी जानकारी देखने को मिल रही है। इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा है कि उलझ अब 2 अगस्त को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। जल्द ही पॉपकॉर्न के साथ मिलते हैं।इस मूवी में एक्ट्रेस इंडियन फारेस्ट ऑफिसर यानी आईएफएस का किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म की कहानी देशभक्ति पर आधारित होगी। इसमें उनके साथ गुलशन देवैया, राजेश तैलंग, रोशन मैथ्यू, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं।फैंस भी अब इसकी रिलीज डेट जानकर खुश हो गए हैं और एक्ट्रेस की इस मूवी को देखने के लिए एक्साइटमेंट दिखा रहे हैं। अगस्त की शुरुआत में एक तरफ जहां जाह्नवी कपूर की उलझ आने वाली है। वहीं 15 अगस्त को एक साथ 3 फिल्में रिलीज होंगी। जॉन अब्राहम की वेदा, अक्षय कुमार और तापसी पन्नू स्टारर खेल खेल में और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2। ऐसे में जाह्नवी की इस फिल्म को इन फिल्मों से कड़ी टक्कर मिलने वाली है।

बाक्स आफिस पर चंदू चैंपियन से ज्यादा कमाई कर रही मुंज्या, लाखों में सिमटा दोनों का कारोबार

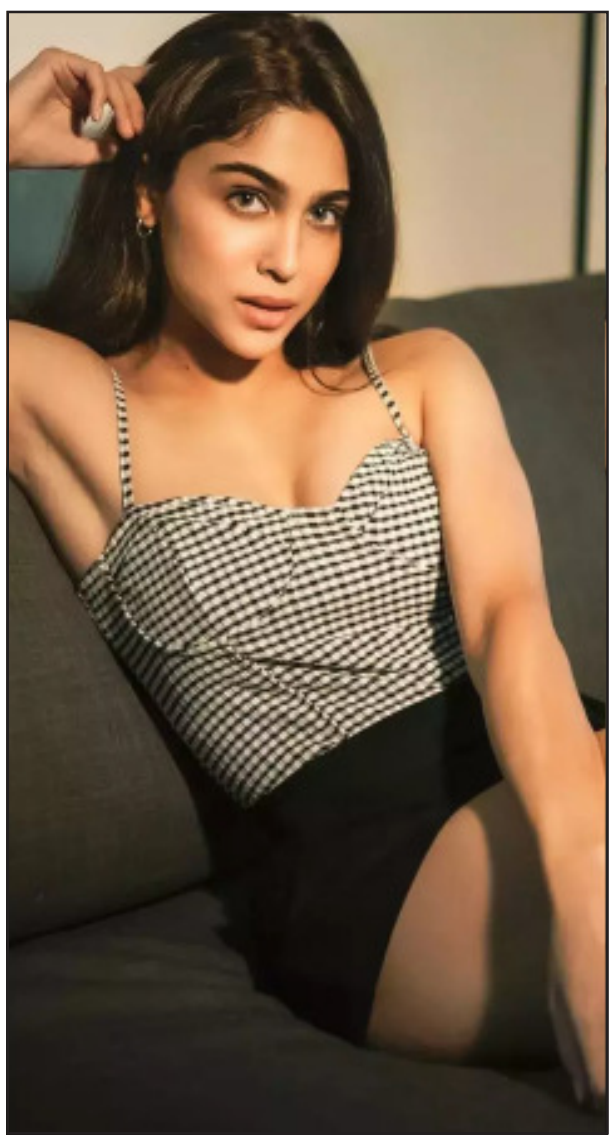

शरवरी की फिल्म मुंज्या का बॉक्स ऑफिस पर तूफान थमने का नाम ही नहीं ले रहा है।जहां दुनियाभर में इस फिल्म ने 118. 51 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है, वहीं घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की कमाई 100 करोड़ रुपये की ओर है।उधर, कार्तिक आर्यन की चंदू चौंपियन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है। हालांकि, कल्कि 2898 एडी के दस्तक देते ही दोनों फिल्मों का हाल–बेहाल है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के 27वें दिन यानी चौथे बुधवार को 50 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 96.50 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है, वहीं दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है। हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म में मोना सिंह और अभय सिंह भी हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 20वें दिन यानी तीसरे बुधवार चंदू चौंपियन ने 40 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 59.96 करोड़ रुपये हो गया है।यह फिल्म देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।फिल्म में विजय राज और राजपाल यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है। कबीर खान ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं।

इंडो वेस्टर्न आउटफिट पहन रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, अदाएं ऐसी की दिल हार गए फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ स्टाइलिश फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों मे उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में लेटेस्ट स्टाइलिश आउटफिट पहनकर फोटोशूट करवाया है।इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश स्कर्ट पहनी हुई है, उन्होंने साड़ी स्टाइल लुक से स्कर्ट को डिजाइन करवाया है। बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है।रकुल प्रीत सिंह ने गले में हैवी ज्वैलरी पहनी हुई है जिसे वो फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने हर एक अंदाज में कहर ढाती हैं। चाहे वो इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक उनका नया लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया लवर हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा जबरदस्त है।

किसान भाई अपने–अपने राजस्व ग्राम में 8 जुलाई से आयोजित कैंप का उठाएं लाभ

'कैंप में उपस्थित होकर अपना आधार, मोबाइल नंबर व सभी खतौनी लेकर फार्मर रजिस्ट्री कराना करें सुनिश्चित

मीरजापुर(आरएनएस)। उप कृषि निदेशक विकेश पटेल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद मीरजापुर में एग्रीस्टैक (डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रकचर फॉर एग्रीकल्चर) के अन्तर्गत फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने सम्बन्धी शासनादेश जारी किया गया है। वर्तमान परिदृश्य में यह अत्यन्त आवश्यक है कि कृषि क्षेत्र के विकास हेतु चलाई जा रही विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय से पहुंच सके, जिससे संशाधनों के समुचित उपयोग से कृषि क्षेत्र का पूर्ण विकास सम्भव हो सके। इस योजना के संचालन से किसानों को निम्नलिखित सुविधायें प्राप्त हो सकेंगी यथा सस्ता ऋण, उच्च गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट, स्थानीयकृत और विशिष्ट लक्षित सलाह, बाजारों तक सुविधाजनक पहुंच प्राप्त करना आसान बनाना है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा बताया गया कि फार्मर रजिस्ट्री के अन्तर्गत प्रदेश के कृषक विवरण को एग्री स्टैक के अन्तर्गत तैयार कर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में संकलित किया जायेगा। इस हेतु भारत सरकार द्वारा भूलेख के डेटाबेस को समेकित कर प्रत्येक राजस्व ग्राम के प्रत्येक समान नाम व पिता के नाम वाले कृषकों के ऑनलाइन बकेट तैयार कर राजस्व को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जायेगा, जिसका प्रयोग कर राज्य स्तर से फार्मर रजिस्ट्री तैयार किया जाना है। फार्म रजिस्ट्री कार्य को समय से सम्पादित करने हेतु जनपद के राजस्व विभाग से 283 लेखपाल, कृषि विभाग से 56 कर्मचारी, पंचायत विभाग से 742 पंचायत सहायक व रोजगार विभाग से 105 रोजगार सेवकों की ड्यूटी राजस्व ग्रामवार लगायी गयी है। जिसमें तहसील स्तर पर नोडल अधिकारी उप जिलाधिकारी तथा विकास खण्ड स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी को नोडल नामित किया गया है। पर्यवेक्षीय दायित्व हेतु सम्बन्धित विकास खण्ड के सहायक विकास अधिकारी (कृषि) व सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को दिया गया है, जो अपनी देख–रेख में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर करायेंगे। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु जनपद व तहसील स्तर पर मास्टर ट्रेनर का चयन कर लिया गया है व 4 जुलाई 2024 से 5 जुलाई 2024 तक समस्त तहसील स्तर पर सभी कार्मिकों को प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा चुका है। 8 जुलाई 2024 से सभी कर्मचारी अपने–अपने नामित राजस्व ग्राम में कैम्प लगाकर किसानों का फार्मर रजिस्ट्री का कार्य उपलब्ध कराये गये ऐप के माध्यम से शुभारम्भ करेंगे। फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को सफलता पूर्वक संचालित करने हेतु जनपद स्तर पर कमेटी का गठन किया गया है जिसमें जिलाधिकारी अध्यक्ष तथा मुख्य विकास अधिकारी उपाध्यक्ष, प्रोजेक्ट ऑफिसर तथा उप कृषि निदेशक सदस्य, सचिव नामित किये गये है। जनपद स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने हेतु मुख्य विकास अधिकारी द्वारा योजना सम्बन्धी समस्त कार्य अपने मार्गदर्शन में सुनिश्चित करायेंगे। जनपद स्तर पर नोडल अधिकारी के रूप में अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व मुख्य राजस्व अधिकारी को नामित किया गया है। जो अपनी देख–रेख में एग्री स्टैक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य सम्पन्न करायेंगे तथा समय–समय पर समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी को अवगत कराया जायेगा। साथ ही यह भी बताया गया कि एग्री स्टैक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य 8 जुलाई 2024 से प्रारम्भ होकर 8 अगस्त 2024 तक पूर्ण किया जाना है। तथा द्वितीय चरण में 9 अगस्त 2024 से इसे कृषकों के लिए खोल दिया जायेगा, जिससे अवशेष कृषकों द्वारा अपने फार्मर रजिस्ट्री की कार्यवाही को उपलब्ध कराये गये मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं या जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से कर सकेंगे। यह भी बताया गया कि समस्त खण्ड विकास अधिकारी अपने–अपने विकास खण्ड में डुग्गी के पिटवाकर प्रचार–प्रसार करायें, जिससे अधिक से अधिक मात्रा में किसान भाइयों को जानकारी प्राप्त हो सके और अपना फार्मर रजिस्ट्री करवा सकें। पीएम किसान योजना के अन्तर्गत मिलने वाले किस्त हेतु फार्मर रजिस्ट्री का होना अनिवार्य होगा। अतः यह आवश्यक है कि 30 सितंबर 2024 से पूर्व सभी कृषकों और विशेष रूप से पीएम किसान के लाभार्थियों का फार्मर रजिस्ट्री में अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाए। जिसमें किसान का नाम, पिता का नाम, स्वामित्व वाले समस्त गाटा संख्या, सहखातेदार होने की स्थिति में गाटे में किसान का अंश, मोबाइल नम्बर, आधार संख्या, ई केवाईसी विवरण फार्मर रजिस्ट्री में दर्ज होगा। किसी प्रकार के स्वामित्व हस्तांतरण (विरासत, बयनामा इत्यादि) होने पर फार्म रजिस्ट्री स्वतः ही अधावधिक हो जायेगी।

किसान भाईयों को अवगत कराना है कि सभी किसान भाई अपने–अपने राजस्व ग्राम में 8 जुलाई 2024 से आयोजित कैम्प में उपस्थित होकर अपना आधार, मोबाइल नम्बर व सभी खतौनी लेकर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य कराना सुनिश्चित करें, जिन किसान भाईयों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री नहीं करायी जायेगी उन्हें पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किस्त का भुगतान नहीं किया जायेगा।

प्रतियोगिता में फलदार पौधों का वितरण कर पर्यावरण से संबंधित किए गए प्रश्ननोत्तर

मीरजापुर(आरएनएस)। लालगंज तहसील क्षेत्र के श्रीमती कुबेरा देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वन महोत्सव का कार्यक्रम वन रेंज लालगंज ने आयोजित किया। जिसमें चित्रलेखा प्रतियोगिता फलदार पौधों का वितरण और पर्यावरण से संबंधित प्रश्ननोत्तर किए गए। लालगंज वन रेंजर के के सिंह ने प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में बच्चों को बताया कि पर्यावरण जीवन का आधार है। प्रत्येक पौधे प्रकृति की धरोहर है। उन्होंने बताया कि ऋषियों और वैज्ञानिकों ने जड़ी बूटियां को खोज कर मानव उपयोगी प्रकृति की धरोहर को बनाया है। वन विभाग के दरोगा बिनेंद्र यादव ने बताया कि प्रकृति कि जंगल प्रकृति की खूबसूरत उपहार है। पौधारोपण की व्यवस्था प्रकृति को नया आयाम देती और जुड़ाव बनती है। ग्राम प्रधान गणेश शंकर दिव्या ने बताया कि प्रकृति का परिवर्तन पर्यावरण पर निर्भर करता है। प्रबंधक कल्याण जी मिश्रा आयोजक मंडल को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर महेंद्र कुमार सिंह, अनुपम पांडे, पिंटू लाल यादव, राजदीप वर्मा, सुनील कुमार, रश्मि राम यादव आदि के साथ विद्यालय परिवार के छात्राएं मौजूद रहे।

बिजली की आंख–मिचौली से त्रस्त हैं ग्रामीण उपभोक्ता

लालगंज, मीरजापुर (आरएनएस)। लहंगपुर विद्युत उपकेंद्र आंख मिचौनी का खेल खेल रही है। कभी खुशी कभी गम, कभी रोशनी कभी अंधकार के चक्रव्यूह में हजारों उपभोक्ता उलझ कर रह गया है। इससे गुस्साए ग्रामीणों के साथ अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर इंसुलेटर बदलने की मांग किया। लहंगपुर विद्युत उपकेंद्र का हाल यह है कि अली बाबा 40 चोर। विभाग इंसुलेटर चोर को खोज कर ईमानदार फीडर बनाने की पुरजोर आजमाइश कर रहा है। विद्युत टेक्निकल कर्मी एक एक विद्युत पोल के इंसुलेटर की जांच कर खोजने में जुटे हुए हैं। यह सब परेशानी घटिया इंसुलेटर के चलते बनी हुई है वही जंगलों में बड़े–बड़े फीडरों की इंसुलेटर गड़बड़ नहीं हो रहे हैं लेकिन इसी फीडर के इंसुलेटर आए दिन गड़बड़ हो रहे हैं। उमस भरी गर्मी में खभे पर चढ़ने और उतरने के काम से विभाग के कर्मचारी पस्त होते जा रहे हैं। लालगंज के लाली माटी स्थित मुख्य पावर हाउस से लेकर लहंगपुर उपकेंद्र तक बाइक से चक्कर दर चक्कर खंभे दर खंबे दौड़ इंसुलेटर चोर को खोजने में जुटे हुए हैं। यह समस्या दो सप्ताह से बनी हुई है। आखिरकार सवाल यह उठ रहा है कि विद्युत टेक्नोलॉजी के बावजूद इंसुलेटर पकड़ से बाहर क्यों है या टेक्नोलॉजी का प्रयोग नहीं थे किया जा रहा है या विशेषज्ञों का अभाव है। वहीं उपभोक्ता का हौसला आक्रोश में बदलता दिखाई दे रहा है आक्रोशित उपभोक्ता कर रहे हैं विद्युत की गड़बड़ी की कोई अवधि नहीं है यह एक लाईलाज बीमारी का रूप धारण कर लिया है। जिससे ग्रामीण उपभोक्ता आक्रोशित होकर लालगंज उप जिलाधिकारी गुलाबचंद्र को ज्ञापन देकर अभिलंब आपूर्ति बहाल करने की मांग किया इस चेतावनी के साथ कि अगले दो दिन तक विद्युत व्यवस्था नहीं अच्छी हुई तो उप केंद्र का घेराव कर चक्का जाम किया जाएगा।

माफिया डश्नन बबलू श्रीवास्तव कारोबारी के अपहरण केस में बरी

भांजा भी दोषमुक्त, 8 अन्य दोषी, 9 साल पहले हुई थी घटना

प्रयागराज (आरएनएस)। बहुचर्चित सर्राफा कारोबारी पंकज महिंद्रा अपहरण कांड में डॉन बबलू श्रीवास्व और उसके भांजे संकल्प श्रीवास्तव को कोर्ट ने बरी कर दिया है। जबकि अपहरण, लूट और लूट का माल रखने में 8 लोगों को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने 2 जुलाई को साफ किया था कि 5 जुलाई को इस अहम मामले में फैसला सुनाया जाएगा। ऐसे में सभी आरोपी अदालत में मौजूद रहे।

अपहरण कांड की सुनवाई जिला न्यायालय इलाहाबाद में गैंगस्टर एक्ट के विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया की अदालत में हो रही है। डॉन बबलू श्रीवास्तव बरेली जेल में है। 2 जुलाई को सुरक्षा कारणों से उसकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई। इस दौरान अन्य आरोपी कोर्ट में ही थे हालांकि किसी कारण से उस दिन फैसला नहीं आ सका था। कोर्ट ने अगली डेट 5 जुलाई तय की थी।

ज्ञात हो कि 2015 की रात शहर कोतवाली इलाके के रहने वाले बड़े सराफा कारोबारी पंकज महिंद्रा अपनी आभूषण दुकान बंद कर कार से घर के लिए निकले थे। सशस्त्र बदमाशों ने उन्हें कार समेत अगवा कर लिया था। बाद में पंकज महिंद्रा की कार संगम स्थित बंधवा में लेटे हनुमान मंदिर के पास लावारिस मिली थी। फिर कारोबारी को छोड़ने के एवज में अपहर्ताओं ने 10 करोड़ रुपए मांगे थे। मामले के खुलासे के लिए एसटीएफ को लगाया गया था। टीमों ने फतेहपुर जिले के असोधर थाने के सरकंडी गांव में विनीत परिहार के फार्म हाउस में घेराबंदी कर छापेमारी की थी। पंकज महिंद्रा वहां बंधे हुए मिले थे। पुलिस टीमों ने मौके से माफिया डॉन बबलू श्रीवास्तव के भांजे विकल्प श्रीवास्तव उर्फ गोलू, गोरखपुर निवासी महेंद्र यादव, सच्चिदानंद यादव उर्फ सचिता, बरेठी थाना थरवई निवासी चंद्र मोहन उर्फ बबलू यादव को गिरफ्तार किया था। इनके पास से नौ एमएम व 32 बोर की दो पिस्टल, 315 बोर का तमंचा, अल्टो कार, लैपटॉप, मोबाइल, फर्जी सिम कार्ड बरामद हुए थे। पूछताछ में साफ हुआ था कि अपहरण कांड बबलू श्रीवास्तव ने कराया था।इस अपहरण कांड में 30 सितंबर 2023 को अभियोजन की गवाही पूरी हो गई थी। अभियोजन की ओर से 21 गवाहों को पेश किया गया था। इसके बाद 16 अक्तूबर 2023 को बबलू श्रीवास्तव बरेली सेंट्रल जेल से अदालत में पेश होने के लिए पहली बार प्रयागराज लाया गया था। अदालत में पेश माफिया समेत 10 सह अभियुक्तों ने 313 सीआरपीसी का बयान दर्ज करवाया था। अपने बयान में बबलू श्रीवास्तव समेत सभी मुल्जिमों ने खुद को बेगुनाह बताया था।बरेली जेल में बंद बबलू श्रीवास्तव उर्फ ओम प्रकाश ने अपनी जान का खतरा पहले ही जता रखा है। उसने कोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी की अपील की है। बबलू श्रीवास्तव ने पहले भी अपने वकीलों के जरिए बरेली जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी की गुहार लगाई थी। बबलू ने कोर्ट से जेल अधीक्षक और अपने वकील के जरिए कहा है कि बरेली से प्रयागराज तक के लंबे सफर में उसकी जान को खतरा हो सकता है।

स्थानांतरण होने तक न्यायिक कार्य रहेगा बंद

जौनपुर(आरएनएस)। केराकत उपजिलाधिकारी न्यायालय में गुरुवार को एक अधिवक्ता के साथ एसडीएम द्वारा किए गए व्यवहार को लेकर अधिवक्ताओं का आक्रोश भड़क उठा। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह की अध्यक्षता व महामंत्री मुकेश शुक्ल के संचालन में एक बैठक हुई। जिसमें उपजिलाधिकारी सुनील कुमार भारती के स्थानांतरण होने तक एसडीएम न्यायालय कार्य बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए तहसील बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार श्रीवास्तव अपने मुकदमे को लेकर एसडीएम न्यायालय में जाकर अपने मुकदमे में नोटिस तामिला न होने पर तारीख की मांग करने लगे। जिस पर एसडीएम ने उन्हें न्यायालय से बाहर जाने को कहा, तथा उन्होंने अपने मातहतों से यह भी कहा कि अगर यह नहीं जाते हैं बाहर तो पुलिस को बुलाकर इनको यहां से बाहर करिए। ऐसी दशा में अधिवक्ताओं ने यह निर्णय लिया कि एसडीएम के स्थानांतरण होने तक उनके न्यायालय के कार्य का बहिष्कार अधिवक्ता करते रहेंगे। बैठक में संतोष कुमार श्रीवास्तव, राजमणि यादव एडवोकेट, प्रदीप पांडे, महेंद्र शंकर पांडे, नमरू नाथ शर्मा, सुभाष शुक्लशुक्ल, संजीव श्रीवास्तव, सुभाष यादव अमरनाथ यादव सत्येंद्र के साथ तमाम लोग मौजूद रहे।

अजय सिंह बने जून–जुलाई माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर मध्य रेलवे कार्मिक विभाग मुख्यालय प्रयागराज, में जून–जुलाई माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी उपस्थित रहे। पुरस्कार समारोह में जून–जुलाई माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार अजय कुमार सिंह, कार्यालय अधीक्षक एमपीपी एवं टीएडीके, कार्मिक विभाग प्रधान कार्यालय, को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया। इनके द्वारा 30 जून 2024 तक उत्तर मध्य रेलवे में कार्यरत कुल 143 अधिकारियों को टीएडीके के बदले अटेंडेंट देने हेतु कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया गया। इसके अतिरिक्त 33 टीएडीके का स्थानांतरण, पदस्थापना से सम्बंधित कार्य किया गया। इनके द्वारा सिंगल विंडो सेल के मामले लगातार सप्ताह दर सप्ताह पूर्ण कर लिया जा रहा है। उपरोक्त के अतिरिक्त एमपीपी सेल का कार्य पूर्ण जिम्मेदारी से समय से पूर्ण किया गया। इसी कड़ी में जून–जुलाई माह के सर्वश्रेष्ठ अनुभाग का पुरस्कार गोपनीय (अराज) अनुभाग, कार्मिक विभाग, मुख्यालय को प्रदान किया गया। इस अनुभाग के मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक अजय कुमार सिन्हा एवं उनके सहकर्मियों को यह पुरस्कार विगत समय में बहुत ही कार्यकुशलता से साथ विभिन्न कार्य को करते हुए उत्कृष्ट निष्पादन हेतु प्रदान किया गया। इस अनुभाग द्वारा अराजपत्रित कर्मचारियों की विभागीय चयन व अचयन परीक्षाएं समय से आयोजित किया जा रहा है। गोपनीय (अराज) अनुभाग ने रेलवे बोर्ड द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अंतर्गत वस्तुनिष्ठ आधारित बहुविकल्पीय लिखित परीक्षा सफलता पूर्वक संपन्न करा रहा है। इसके साथ साथ अनुकम्पा नियुक्ति हेतु उपयुक्तता लिखित परीक्षाएं भी आयोजित कर विभागाध्यक्ष से अनुमोदन प्राप्त कर ससमय परिणाम जारी किया जाता है। केन्द्रीयकृत कम्प्यूटर आधारित विभागीय परीक्षा के सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा जारी पत्र के अनुपालन में चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने हेतु कार्मिक विभाग से सम्बंधित पदों के पाठ्यक्रम तैयार करने में योगदान दिया है। कार्यक्रम का आयोजन कार्मिक विभाग मुख्यालय के सभी कर्मचारियों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं जिज्ञासा को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान कार्मिक विभाग, मुख्यालय के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नाली ,रास्ता और कीचड़ से नागरिक परेशान

जौनपुर(आरएनएस)। केराकत नगर पंचायत क्षेत्र के नार्मल मैदान में नाली, रास्ता व कीचड़ से लोग परेशान होकर नगर पंचायत पर आक्रोश जताया। नगर पंचायत की चेयरमैन ज्योति जायसवाल के प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल (गोलू) के द्वारा एक साल बेमिसाल का एक पत्र पूरे नगर में भ्रमण कर जोर–सोर से बांटा गया। जिसमें एक साल बेमिसाल कार्य को दिखाया गया। नॉर्मल मैदान और वहां का नाली व रास्ता। वही नॉर्मल मैदान के पास में स्थित बने सभी मकान के निवासियों ने बताया कि एक साल बेमिसाल का वादा सिर्फ कागजों में सिमट गया। जिससे वह हवाह–हवाई साबित हो रहा है। जिसमें पानी बहाव के लिए बनाई गई नाली, का ढक्कन पूरी तरह टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया है। अगर कोई बच्चा खेलने व कूदने जायेगा तो, जरूर गिरकर चोटिल हो जायेगा। साथ ही लोगों ने यह भी बताया कि आए दिन बारिश के समय में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिसकी शिकायत हम लोग चेयरमेन प्रतिनिधि व सभासद से कई बार कह चुके हैं मगर आज तक कोई समस्या का समाधान नहीं हुआ। त्रस्त हो चुके हैं। नगर पंचायत के जिम्मेदार लोग इस तरफ ध्यान नही दे रहे है।

समस्याओं को लेकर मेडिकल के छात्रों का प्रदर्षन

जौनपुर(आरएनएस)। बिजली और पानी की समस्या को लेकर मेडिकल के छात्रों ने धरना प्रदर्षन किया। उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा महाविद्यालय मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को एमबीबीएस व पैरामेडिकल के छात्रों ने धरना प्रदर्शन किया और बारिश के बीच मांगों को लेकर नारेबाजी किया। छात्रों ने कहा कि उनकी समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो वह सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होंगे । छात्रों ने कहा समस्याएं तो दर्जन भर लेकिन जरूरी समस्या का निराकरण होना चाहिए। निर्माण एजेंसी से लेकर बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों मंत्रियों स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारो के खिलाफ प्रदर्शन किया गया । छात्रों को कहना था कि 15 दिन से मेडिकल कॉलेज में बिजली पानी नहीं है। जिससे एमबीबीएस के छात्राओं को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है । छात्रों का कहना है पीने का पानी का बाहर से खरीदारी कर काम चला लिया जाता है, लेकिन नहाने और शौचालय में पानी की कोई सुविधा नहीं है। शाम तक उनकी समस्या सुनते कोई नहीं पहुंचा । छात्रों का कहना था कि पिछली बार सीडीओ जिलाधिकारी आए थे ,उन्होंने कहा था कि हम इस समस्या को शीघ्र निराकरण कर देंगे । लेकिन वह भी निराकरण नहीं कर पाए । छात्रों ने कहा की समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो सड़क पर उतरेंगे बड़ा आंदोलन करेंगे। छात्रों ने कहा कि अब झूठे वादों से समस्या बर्दाश्त नहीं हो रही है । इसके अलावा भी मेडिकल कॉलेज में तमाम समस्याओं से छात्र जूझ रहे हैं, कोई सुनने वाला नहीं है।

मुक्त विश्वविद्यालय ने समर्थ पोर्टल पर शुरू किया प्रवेश, अंश बने पहले प्रवेशार्थी

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र 2024–25 की प्रवेश प्रक्रिया को शुक्रवार को समर्थ पोर्टल पर प्रारम्भ कर दिया। बीकॉम प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले अंश सिंह विश्वविद्यालय के पहले छात्र बने। अंश ने एन आई टी से बीटेक इलेक्ट्रॉनिक एण्ड कम्युनिकेशन की पढ़ाई करते हुए दूरस्थ शिक्षा से भी पढ़ाई करने का निर्णय लिया।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने समर्थ पोर्टल पर प्रवेश का शुभारंभ करते हुए कहा कि कुलाधिपति एवं उच्च शिक्षा विभाग की गाइड लाइन के अनुसार यह निर्णय लिया गया। उन्होंने एन आई टी के छात्र के विश्वविद्यालय का प्रथम विद्यार्थी बनने पर उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत हमें ऐसे ही छात्रों की आवश्यकता है।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि एकीकृत समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के दूर दराज के छात्रों को विश्वविद्यालय में संचालित हो रहे पाठ्यक्रमों की जानकारी एवं उनमें प्रवेश का मौका मिल सकेगा। इसके साथ ही एक समान समय पर प्रवेश परीक्षा तथा परीक्षा परिणाम प्राप्त होंगे। इससे जहां प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी वहीं छात्रों को भी सुविधा मिलेगी इसलिए इस व्यवस्था को लागू किया जा रहा है। कुलपति ने समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता को प्रवेश प्रारंभ करने के लिए शुभकामना देते हुए कहा कि कि समर्थ पर प्रवेश लेने वाले छात्रों का उचित मार्गदर्शन किया जाए। समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राएं वेबसाइट पर जाकर एडमिशन लिंक पर क्लिक करने के पश्चात अप्लाई फॉर एडमिशन फॉर फर्स्ट ईयर पर क्लिक कर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इस अवसर पर कुल सचिव कर्नल विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा, निदेशक गण एवं अन्य शिक्षक तथा छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

हमले से खफा अधिवक्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

जौनपुर(आरएनएस)। बदलापुर तहसील से घर लौटते समय एक अधिवक्ता पर दबंगों ने हमला बोल दिया। इसमें अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर आक्रोशित अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को तहसील परिसर मे विरोध प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी न होने तक कार्य बहिष्कार कर दिया। बदलापुर तहसील के अधिवक्ता व ग्राम प्रधान विनोद कुमार गौतम प्रतिदिन की तरह तहसील से बुधवार की शाम करीब सात बजे अपने घर लोहिंदा की ओर बाइक से जा रहे थे। वह उमरी गांव के पास पहुचे, तभी बाइक सवार चार दबंगों ने उन पर हमला बोल दिया। दबंगों के हमले से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर पर पुलिस एनसीआर दर्ज कर लिया। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी न होने तक कार्य बहिष्कार कर दिया। बदलापुर तहसील अधिवक्ता संघ के महामंत्री विष्णु शुक्ला बताया कि क्षेत्राधिकारी और एसडीएम से दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। आरोपियों की गिरफ्तारी तक कार्य बहिष्कार कर दिया है।

सपा कार्यकर्ता का उत्पीड़न बन्द न होने पर होगा आन्दोलन

जौनपुर(आरएनएस)। करोकत क्षेत्र में सिहौली चौराहे पर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष नीरज पहलवान की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजित की गई । बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक तूफानी सरोज ने बैठक को स्बोधित करते हुए बताया कि प्रशासन के लोग बिना वजह समाजवादी कार्यकर्ताओं को डराने व धमकाने का कार्य कर रहे हैं । अधिकारी सपा कार्यकर्ता का अपमान करना बंद करे।अगर कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो जन आंदोलन के माध्यम से अपनी आवाज को उठाने का कार्य किया जाएगा।उन्होंने ने कहा कि कार्यकर्ता पीडीए परिवार के सुख दुख में भाग लेते हुए पीडीए में अपनी पैठ को मजबूत कर आगामी विधानसभा चुनाव जीतने का लक्ष्य बनाए।अपने अध्यक्षीय संबोधन में नीरज पहलवान ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता अपने–अपने बूथों पर समूह के रूप में लक्ष्य बनाकर कार्य करें क्योंकि आगामी विधानसभा चुनाव जीतना है तो बूथ को मजबूत बनाना होगा। इस मौके पर सतनारायण यादव,श्याम प्रकाश ,जारी समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन महोत्सव के तहत रोपित किये गये पौधे

प्रयागराज (आरएनएस)। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र प्रयागराज, द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम श्एक पौधा मां के नामश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है।

वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पडिला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधरोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।